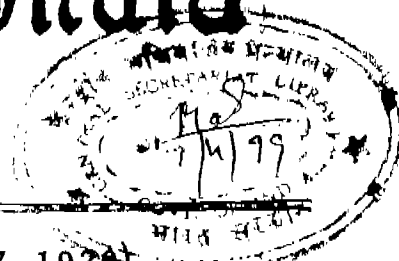


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 28, 1998 (अग्रहायण 7, 1920)  
No. 48] NEW DELHI, SATURDAY NOVEMBER 23, 1998 (AGRAHAYANA 7, 1920)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[संविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विभिन्न अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक  
केन्द्रीय कार्यालय  
बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग  
केन्द्र-1, "विश्व व्यापार केन्द्र"

मुम्बई-400005, दिनांक 5 नवम्बर 1998

सं० बैंकवि सं० आईबीए-1001/23, 13,039/98-99—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (6) के खण्ड (b) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विम्बनखित बैंक को उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में शामिल करने का निर्देश देता है।

“बैंक मस्कट इंटरनेशनल, एसएओजी”

खिजर अहमद,  
कार्यपालक निदेशक

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (केन्द्रीय कार्यालय)

14, भविष्य निधि भवन, भीकाजी कामा प्लेस

नई दिल्ली-110066, दिनांक 3 नवम्बर 1998

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-2/2143  
—इन्हें अनुसूची-1 में उल्लिखित निधिधारकों से (जिसे हमें हमारे  
5 "म" पर स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और  
एकीकृत उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा  
17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवे-  
दन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा  
गया है।

श्रीक केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त हमें बताने में सक्षम हैं कि  
उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अन्य संशोधन या प्रीमियम की  
अवधारणा किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा

निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे  
कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि सहबद्ध बीमा स्कीम,  
1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2(क) द्वारा  
प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत  
सरकार/केन्द्रीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की अभिसूचना  
से, तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी  
है के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों  
के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के  
सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को अपने 3 वर्ष  
की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न  
अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

#### अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	सरकारी अभिसूचना की संख्या वह दिनांक जिसके द्वारा छूट	छूट समाप्ति तिथि	छूट विस्तार तिथि	क्र० सं० फा० नं०
1.	पै० विमल इन्डस्ट्रीज 5, जी०आई०डी०सी० एस्टेट, हाईवे, महसाना— 384002	जी०जे०/11107	2/1959/डीएलआई/ एकजम/89/भाग-1 दिनांक 6-4-93	31-7-94	1-8-94 से 31-7-97	2/2370/89 डी०एल० आई०
2.	मै० आनन्द रोजनल को— आप० आयल सोड प्रोवर्स यूनियन लि० चिखोवरा क्रोसिंग, एन० एच० नं० 8, जिला खावा आनन्द 388121, (पुराना नाम आनन्द तालुका को०— आप० काँटन सेल मिनिंग एण्ड क्रोसिंग क० लि०)	जी०जे०/6671	दिनांक 22-4-93	28-2-91	1-3-91 से 28-2-94 2-3-94 से 28-2-97	2/4680/92

#### अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके  
पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि  
आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा-जोखा  
रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो  
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी को प्रत्येक मास की  
समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार  
उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के  
अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत  
लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा  
प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रभारी का  
संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजन  
द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा  
स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उनमें संशोधन किया  
जाए, तब उस संशोधन की प्रतिलिपि तथा कर्मचारियों को बहु-  
संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना  
पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधि-  
नियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का  
पहुंचे ही मद्दम्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता  
है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के मद्दम्य के रूप में उसका  
नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम  
भारतीय जीवन बीमा निगम को सौंप देगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध  
लाभ बढ़ाने जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन  
कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए  
जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए  
सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक  
अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संघेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम को उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना विष्टकरण स्पष्ट करने का युक्तिमय अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सन्दर्भ में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उस हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से

बीमाकृत प्राप्त राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. सी. पाण्डे

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम./89/भाग-4/2449—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना के आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी गई है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

#### अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम पता	कोड सं०	सरकारी अधिसूचना की सं० यह विनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति तिथि	छूट विस्तार तिथि	के०भ०नि० आ० की फाइल सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० एस्कोर्ट ट्रेडर्स लि०, 11, विधिया हाऊस, कनाट सर्कस, नई दिल्ली-1।	डीएल/2676	2/1959/डीएलआई/छूट 89/पा०-1, दि० 19-2-92	30-11-93	1-12-93 से 30-11-96 1-12-96 30-11-99	2/1086/89 डी०एल०आई०
2.	मै० भारत एन्पूनिनियम कं० लि० एन्पूनीनियम सदन कोर-6 स्कोप लोधी रोड, नई दिल्ली-110003	डीएल/3864 पा०-1,	2/1959/डीएलआई/छूट 89/पा-1/दि० 26-2-97	28-11-97	29-11-97 28-11-2000	2/39/76/डीएलआई

1	2	3	4	5	6	7
3. मै० मोनिका इलेक्ट्रोनिक्स डीएल/5042 लि०, सीए-2 बी-1 एक्सटेंशन मोहन को० ओ० इण्डस्ट्रीयल एस्टेट नई दिल्ली-44	एल/35014/79/88/ एस-11 दि० 16-8-88	16-8-91	17-8-91 से 16-8-94 17-8-94 16-8-97	2/1589/87/ डी०एल०आई०		
4. मै० सोनर प्रा० लि० डीएल/7736 सी०एस० सी०, सी-9, वसन्त कुंज, नई दिल्ली-70	2/1959/डीएलआई/छूट 89/पा०-1/37 दि० 11-1-92	31-5-93	1-6-93 31-5-96 1-6-96 से 31-5-99	2/1683/87/ डी०एल०आई०		
5. मै० कन्टोनेन्टल पेपर्स डीएल/8035 लि०, हाऊस 28 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली- 110019	2/1959/डीएलआई/छूट 89/पा०-1, दि० 18-5-90	31-7-91	1-8-91 31-7-94 1-8-94 31-7-97	2/2916/90/ डी०एल०आई०		

### अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजना और ऐसा लेखा-जोखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की तन्नामित के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के रूप में के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सांख्यिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों तो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नामनिर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना धीष्टकरण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम को, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए बिना किसी व्यक्तिगत की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काय नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि नत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर स्पष्ट करेगा।

के. सी. पाण्डे

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आइ. भाग-1/2458—उक्त अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्थापना' कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 59 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)।

यूनिफ़ोर्म् केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवधि के बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि

ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'स्कीम' कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने इत्येक उक्त स्थापना को केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त, दिल्ली ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत छील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

#### अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड नं०	छूट समाप्ति की तिथि	के० भ० नि० आ० की फा० सं०
1.	मै० ए० एम० मोटा सिंह सीनियर सेकण्ड्री माडल स्कूल, एस० एस० मोटा सिंह मार्ग, ब्लाक-ए, जनकपुरी नई दिल्ली 110058	डीएन/5811	1-10-89 30-9-92 1-10-92 30-9-95 1-10-95 30-9-98	3/18/98/डीएलआई
2.	मै० मोन्टरी इण्डस्ट्रीज लि० 78, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019	डीएल/8042	1-2-88 31-1-91 1-2-91 31-1-94 1-2-94 31-1-97 1-2-97 31-1-2000	3/17/98/डी०एल०आई०
3.	म० यूटिलिटी डी मर्स प्रा० लि०, ए-23/बी-1, मोहन को० आ० इण्डस्ट्रियल इस्टेट, मथुरा रोड, नई दिल्ली-110044	डीएन/9409	1-2-93 31-1-96 1-2-96 31-1-99	3/19/98/डीएलआई

#### अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और लेखा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संघाय करेगा जो केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अन्तर्गत समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदध्य लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का प्रीमियम का संदध्य, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि को पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवदे राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नाम निर्देशनों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यत्नित्यक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यतिक्रम की दशा में उन दत्त सदस्यों के नाम निर्देशनों या

विधिवक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशनी/विधिवक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. सी. पाण्डे

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-2/2465—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग संशोधन या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा प्रथम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. तथा दिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना के आगे 3 वर्ष के अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

#### अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापनाओं का नाम कोड सं० व पता	सरकारी अधिसूचना को सं व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान विस्तार की गई	छूट समाप्ति तिथि	छूट विस्तार तिथि	के० भ० नि० आ० की फाइल सं०
1.	मै० आगरा मशीन टूल प्रा० लि०, 132 ए इन्डस्ट्रियल स्टेट नुनेह आगरा-282006	यपी/6873 एस०-35014(43)/83 पी एफ०-II दिनांक 10-3-83	9-3-86	10-3-86 से 9-3-89 10-3-89 से 9-3-92 10-3-92 से 9-3-95	2/851/डी०एल० आई 92
2.	मै० मोरिस बजाज इण्ड० लि० ए-5 इन्डस्ट्रियल स्टेट असीगड़	यू०पी०/2839 2/1959/डी० एल० आई/ छूट/39/पी-I दिनांक 29-6-94	31-3-93	11-4-93 31-3-96	2/5558/डी०एल० आई०/यू० पी०

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसा लेखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रतिलिपि तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल है जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के उत्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का अधिकार्युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस निवृत्त हारिस के भीतर जीवन बीमा निगम निवृत्त करने प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पॉलिसी को वापस होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों को विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्काई नाम-निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

को. सी. पाण्डे  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आर्. /एकजम./89/भाग-2/  
2471—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है; जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

कि जिसमें केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निश्चय मजबूत बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा धर्म मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. तथा दिधि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अन्तर्गत में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है और कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

## अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	सरकारी अधिसूचना की सं० वह दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान /विस्तार की गई	छूट समाप्ति तिथि	छूट विस्तार तिथि	के० सं० नि० आ० को० फा० सं०
1.	मै० इन्डो आर्कोव नि० एच० एच०/12319 साफी बिहार मार्ग, पोवारी, मुम्बई-72	2/1959/डी० एच० आई० इ एच इ एम/89 पोटी- 1, दिनांक 7-4-93	30-4-94	1-5-91 से 30-4-97 1-5-97 से 30-4-2000	2/113/डी० एच० आई०/89	
2.	मै० हिन्दुस्तान एस० पी० जी० एण्ड डब्ल्यू० बी जी० मिल्स लि० गोखले मार्ग (साउथ) प्रभादेवी, मुम्बई- 400023 तथा शाखाएं	एम० एम०/101 दिनांक 27-1-94	30-9-95	1-10-95 से 30-9-98	2/3911/डी० एल० आई०/91	
3.	मै० बोरिंगर मनहिम एम० एच०/4682 इण्डिया लि०, 54 ए 6547 मरघुवास बसन्ती मार्ग, अन्धेरी (ई) मुम्बई- 400023 तथा शाखाएं	दिनांक 10-4-92	31-5-94	1-6-94 से 31-5-97	2/3229/डी० एल० आई०/90	
4.	मै० फिलॉस्फर पत- मैटिक कं० लि० हाडा- प्सर इण्डस्ट्रियल स्टेट; पुणे-411013	एम० एच०/3443 दिनांक 8-11-89	25-12-91	26-12-91 से 25-12-94 26-12-94 से 25-22-97	2/581/एम० एच० 81	
5.	मै० दि० एसोसियेटेड सिमेंट कं० लि० सिमेंट हाउस, 121, एम० के० मार्ग, मुम्बई-400020	एम० एच०/4095 दिनांक 3-9-92	24-11-94	25-11-94 से 24-11-97	2/268/डी० एल० आई०/92	
6.	मै० एक्शील इण्डस्ट्रीज लि०, एस० बी० मार्ग, जोगेस्वरी (वेस्ट) मुम्बई-400102 तथा शाखाएं	एम० एच०/1052 दिनांक 2-7-92	28-2-95	1-3-95 से 28-2-98	2/3915/डी० एल० आई०/91	
7.	मै० हाउसिंग डेवेलप- मेंट कारपोरेशन लि० 169 बैकवे एक्सेलेशन, मुम्बई- 400020	एम० एच०/20972 दिनांक 11-7-91	28-2-93	1-3-93 से 29-2-96 1-3-96 से 28-2-99	2/2122/डी० एल० आई०/89	
8.	मै० सार्सेन एण्ड टुबरो लि० पोवार्ड वर्क्स, साफ बिहार मार्ग, मुम्बई-400072 तथा इसकी शाखाएं	एम० एच०/424 दिनांक 26-3-93	24-9-94	23-9-94 से 24-9-97 25-9-97 से 24-9-2000	2/289/डी० एल० आई०/ आई०/79	



## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संस्था की भाषा में उगकी मूल्य बातों का अनुवाद स्थापना के मुखना पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में निर्दिष्ट किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी दायित्व आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबंध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात को होने हान भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशनों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो तब क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली राशि किसी राशि से कम हो जाए तो स्कीम रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशनों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके तत्काल नाम निर्देशनों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. सी. पाण्डे  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

दिनांक 5 नवम्बर 1998

सं. 2/1950/डी. एल. आई./भाग-1/2484—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 10) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूँकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अन्य अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं ताकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निर्धन सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, गजरात ने स्कीम की धारा 2(7) के अन्तर्गत छूट प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

## अनुसूची-1

क्र.सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छद्म प्राप्त की तिथि	के० भ० नि० आ० फाईल सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० एरोचम मित्रशासा लि० आमली इण्डस्ट्रीयल एस्टेट सिलवासा-396230	गुज०/8138	1-6-97 से 31-5-2000	4/99/97/डी० एल० आई०
2.	मै० शान्ती निकेतन प्राथमिक स्कूल सुनुल डायरी रोड सूरत (गुजरात)	गुज०/12743	1-6-97 से 31-5-2000	4/100/92/डी० एल० आई०
3.	म० सूरत एजुकेशन सोसायटी संबन्धित सत्ताबनपुरा गुज०/12839 प्राथमरी स्कूल 8/1760 गोपीपुरा मैन रोड सूरत (गुजरात)	गुज०/12839	1-6-97 से 31-5-2000	4/101/97-डी० एल० आई०
4.	म० सूरत प्राथमरी स्कूल गोपी पुरा, संज दियाबाद गुज०/13329 सूरत-1, गुजरात	गुज०/13329	1-6-97 से 31-5-2000	4/102/97/डी० एल० आई०
5.	म० वि० ब्राइट लैण्ड इंगलिश स्कूल सहयोग सोसायटी-सुनुल डायरी रोड, सूरत (गुजरात)	गुज०/12971	1-6-97 से 31-5-2000	4/103/97 डी० एल० आई०
6.	मै० प्राथमिक शाखा लाम्बे हनुमान रोड बछी रोड वर्षा सोसायटी सूरत-6 (गुजरात)	गुज०/13335	1-6-97 से 31-5-2000	4/104/97/डी० एल० आई०
7.	मै० सुरन्धि ट्रस्ट, 10/626/हवा दिया चकला, गोपीपुरा, सूरत ((गुजरात)	गुज०/19006	से 1-6-97 से से 31-5-2000	4/105/96-डी० एल० आई०
8.	मै० क्लोनकुंज लाम्बे हनुमान रोड मातावादी वर्षा सोसायटी करंज सूरत-6 (गुजरात)	गुज०/19007	1-6-97 से 31-5-2000	4/106/97/डी० एल० आई०
9.	म० गोपीपुरा, क्लोन कुंज 8/1760, गोपीपुरा मनरोड सूरत-2 (गुजरात)	गुज०/19003	1-6-97 से 31-5-2000	4/107/97/डी० एल० आई०
10.	मै० गोदानावदी क्लोन कुंज उदय नगर कडरुगु गुज०/19003 रोड सूरत-64 (गुजरात)	गुज०/19003	1-6-97 से 31-5-2000	4/108/97/डी० एल० आई०
11.	मै० एररवाईन, नाट सी 1 बी 922, जी० आई० डी० सी० एस्टेट, गुण्डलव बल्साद-396035 ।	गुज०/30314	1-6-97 से 31-5-2000	4(103)/97 डी० एल० आई०
12.	मै० गांधी नारी प्राथमिक बाला उदयनगर, कटरमम रोड, सूरत-(4) गुजरात	गुज०/13331	1-6-97 से 31-5-2000	4/110/97/डी० एल० आई०
13.	मै० अशोक इण्डिया लि०, ब्लाक-133 विन्ने समलाया, तालुका सावली-391520, जिला बड़ोदा ।	गुज०/बी०डी० 20682	1-3-96 से 28-2-99	4(98)98/डी० एल० आई०

1	2	3	4	5
14.	मै० इण्डस्ट्रीयल आक्सीजन कं०, लि०, गुज०/100172 पी० बी० नं० 505, राजकोट-360002।		1-4-92 से 31-3-95 1-4-95 से 31-3-98	4/16/97/डी० एल० आई०
15.	मै० सौराष्ट्र पेपर एण्ड बोर्ड मिट गु०/254-ए पटनी बिल्डिंग एम० जी० रोड, राजकोट-3600 01।		1-8-88 से 31-7-91 1-8-91 से 31-7-94 1-8-94 से 31-7-97	4/16/97/डी० एल० आई०

## अनुसूची-2.

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी दिवरीयों भेजेगा और ऐसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निरीक्षण करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खंड के अधीन समय-समय पर निर्देश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के स्वस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय

राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदाय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रोत्तर के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाते या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा नियम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पॉलिसी को व्यपन्न होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए बिना किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसको हकदार नाम/निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर निर्दिष्ट करेगा।

के. सी. पाण्डे

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/2504—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवयवी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि

ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत छील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

#### अनुसूची—1

क्र.सं.	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट प्राप्ति की तिथि	के० भ० नि० आ० की फाईल सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० स्तो लाइन फिलिंग, स्टेनन माइदी एस्टेट, शिमला—3।	पी०एन० 1613-ए	1-10-89 30-9-92 1-10-92 3-9-95 1-10-95 30-9-98	12/34/98/डी एल. आई०
2.	मै० एन० एल० इंडियन इंडिया प्रा० नि० 12, सैक्टर—1, प्रवातू।	पी० एन०/11799-ए	1-3-96 28-2-99	12/27/98/डी एन आई
3.	मै० कृष्णा लेमिनेशन (प्रा०) लि० जी० टी० रोड, सुरानसी, जलन्धर।	पी०एन०/17118	1-3-96 28-2-99	12/11/98/डी०एल०आई०
4.	मै० जे० एम० पी० कार्स्टिंग लि०, पी० ओ० रायपुर, पठानकोट रोड, जलन्धर।	पी० एन०/17159	1-3-96 28-2-99	12/12/98/डी० एल० आई०
5.	मै० गुरु हर इण्डियन पब्लिश स्कूल गोल्डन एबन्यू, अमृतसर।	पी०एन०/17168	1-5-95 30-4-98	12/13/98/डी० एल० आई०
6.	मै० मेलाराम सूद एंड संत, माईदी एस्टेट कैपू, शिमला—5।	पी०एन०/1613	1-10-89 30-9-92 1-10-92 30-9-95 1-10-95 30-9-98	12/26/98/डी० एल० आई०

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षत्रिय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजना और ऐसा लेखा-जोखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करना जो कन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम का धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निदेश करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रत आर जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन का प्रति तथा कर्मचारियों का बहु-संख्या का भाषा में उसका मुख्य भाग का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना का भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसका स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उनका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के आधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के आधीन कर्मचारियों का उपलब्ध लाभ में सामूहिक रूप से वाद्ध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें एक कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल है जो उक्त स्कीम के आधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदाय होता तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करेगा में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्ययक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने वाली बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम/निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. सी. पाण्डे  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (म.)

सं. 2/1959/डी.एल.आई./एकजम/89/भाग-2/2515—  
जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूँकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग वंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निधि सहवद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

## अनुसूची—1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० वह दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति तिथि	छूट विस्तार तिथि	के०म०नि०आ० फाईल सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	म० इन्द्र प्रस्थ इन्टर नेशनल, 2/18 अंसारी रोड, नई दिल्ली- 110002	डी०एल०/ 11026	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पी-1 दिनांक 22-12-93	31-7-92	1-8-92 से 31-7-95 1-8-95 से 31-7-98	2/4268/92/डी० एल० आई०
2.	मै० डेल्टन केवल्स लि० भरतराम रोड 24 दरिया गंज नई दिल्ली-2	डी०एल०/ 179	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/गार्ट-1 दि० 11-4-97	31-12-97	4-12-97 से 3-12-2000	2/1849/डी० एल० आई०
3.	मै० स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन आफ इन्डिया लि० जवाहर व्यापार भवन टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली-1	डी०एल०/ 791	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/गार्ट-1 दि० 8-4-97	31-3-96	1-4-96 31-3-99	3/14/96/डी० एल० आई०
4.	मै० डी०एस०आई०डी०सी०एन० ब्लाक बोरो लाइफ बिल्डिंग कनाट सर्कस, नई दिल्ली-110001	डी०एल०/ 3277	एस-35014/97/98- गार्ट-11/एस०एस०-11/ दि० 21-7-86	20-7-89	21-7-89 से 20-7-92 21-7-92 20-7-95 21-7-95 से 20-7-98	3/5/96/डी०एल० आई०
5.	मै० स्पिनटेक्स कारपोरेशन, 301 हर्षा हाउस कर्मपुरा कमणियल कम्प्लेक्स, नई दिल्ली-110015	डी०एल०/ 6549	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/पा-1 /475/दि० 26-5-97	31-3-93	1-4-93-से 31-3-96 1-4-96	3/5/96/डी०एल० आई०
5.	म० टाटा एनर्जी रिसर्च इन्टीयूट वरवारी सेठ बत्ताक, हविट प्लेस लोदी रोड, नई दिल्ली-110003	डी०एल०/ 6987	2/1959/डी०एल० आई०/छूट/89/गार्ट-1/ 475 दि० 26-5-97	28-2-94	1-3-94 28-2-97 1-3-97 29-2-2000	3/7/97/डी०एल० आई०

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा

प्रीमियम का संवाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजन द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और आ कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम से दत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों को लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को अधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों को धराबरा राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संघीय क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना विचारण स्पष्ट करने का यत्नस्वतः अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले उपाय करनी के अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रक्ष की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और एग्रीमेंट को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रक्ष की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये कतिपय की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या निर्धक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य का मृत्यु होने पर उरक हकदार नाम निर्देशितों/निधक वारिसों को बीमाकृत राशि संदाय हतपत्ता में और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत प्राप्त राशि हतपत्ता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. सी. पाण्डे  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/2525—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19, की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है। जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है।

क्षेत्रीय क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग वंशदान या प्रीमियम की वदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों को लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है। (जिस इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के मामले में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, महाराष्ट्र ने स्कीम की धारा 18 (7) के अंतर्गत होल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम को संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

#### अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फाईल नं०
1.	मै० ताज होलोडे गांव, शिवक्योरिम, बाईर, गोवा-403519.	गोवा/10236	1-8-96 से 31-7-99	9/21/97/डी०एच० आई०
2.	मै० नेशनल कोटिंग कं० 203, निजारी भवन, मनेजस-वरगंजा मार्ग, पणजी-403001.	गोवा/10418	1-3-94 से 28-2-97	9/24/97/डी०एच० आई०
3.	गोवा, मै० मेटल फेब्रिक इंडिया 2जी, दूसरी प्रजिल, सेसाधर, 20, ई०डी०सी० काम्पलेक्स फाट्रो, पणजी गोवा-403001.	गोवा/10433	1-7-95 से 30-6-98	9/20/97
4.	मै० इंडिया फार्मा प्रा० लि० सी०एम०एम० विल्डिंग, रूआ-डे ओरम, पणजी-गोवा-403001.	गोवा/10498	1-9-94 से 31-8-97	9/22/97/डी०एच०
5.	मै० टाइटन टाइम्स प्रोड्युक्ट्स लि० एल-15, वर्ना इलेक्ट्रोनिक्स सिटी, सालसेट्टे, गोवा-403722.	गोवा/10514	1-10-96 से 30-9-99	9/6/97
6.	मै० पैथियास कम्प्यूटरनास पैथियास प्लाजा 18वां जून मार्ग, पणजी गोवा-403001.	गोवा/10522	1-8-96 से 31-7-99	9/23/97
7.	मै० विजयता कोमरसियल कोप० बैंक लि० पो० सं० 90, अकोला-444001.	एम०एच०/15737	1-3-93 से 28-2-96	9/9/96

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजना और लेखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामाजिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों के प्रस्तुत विना जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामाजिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रतिलिपि तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के मुख्यालय पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट पाए किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामाजिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम दर्ज करेगा और उसकी संबंधित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामाजिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामाजिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों को लिए सामाजिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभवे हैं।

7. सामाजिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने का भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि से कम है जो कर्मचारी के मृत्यु पर संदाय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को अधिक वारिस/नाम निर्देशनों की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामाजिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामाजिक बीमा स्कीम के त्रिसंस्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पॉलिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये व्ययों की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशनों या विधिक वारिसों को यदि रद्द छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने वाले बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसकी बकाया नाम निर्देशनों/विधिक वारिसों को बीमा राशि का संदाय सत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर निश्चित करेगा।

एस. भट्टाचारजी  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

दिनांक 6 नवम्बर 1998

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/2536—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियेताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हैं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अन्य अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामाजिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त मंत्रालय ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत छोल प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

## अनुसूची-1

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० म० नि० फा०
1	2	3	4	5
1.	मै० सुदर्शन कैमिकल इंडस्ट्रीज लि०, 162, वैलसले मार्ग, पुणे-411001 तथा शाखाएं।	एम०एच०/1462	1-3-97-से 29-2-2000	9/9/98/डी०एल०आई०



1	2	3	4	5
2.	मै० हालमार्क टेक्निकल सर्विसज प्रा० लि०, 917/22, साई काम्पलेक्स, एफ० सी० मार्ग, शिवाजी नगर, पूणे-411004.	एम०एच०/31486	1-4-97 से 31-3-2000	9/8/98
3.	मै० गरवारे पोलिस्टर लि०, वेस्टन एक्सप्रेस हाईवे विल पार्क (ई०) मुम्बई-400057 शाखाओं सहित ।	एम०एच०/19336	1-2-96 से 31-1-99	9/6/98
4.	मै० महाराष्ट्र स्टेट टेक्नोलॉजी कॉर्पोरेशन हाउस, न्यू मरीन लाईन मुम्बई-400020.	एम०एच०/15345	1-7-95 से 30-6-98	9/3/98
5.	मै० पुना सिमस प्रा० लि०, 73/10-11 बदगांव मावल, पूणे हाइवे, जिला पूणे-412016.	एम०एच०/30944	1-3-97 से 29-2-2000	9/2/98
6.	मै० दि अमालनेर को० प० अर्बन बैंक लि०, अमालनगर-425401 जिला तलगांव महाराष्ट्र ।	एम०एच०/35102	1-12-92 से 30-11-95	9/29/96
7.	मै० वेनगंगा स्पन पाइप इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, ए०-41, एम० आई० डी०, सी० एरिया वर्धा-442006.	एम०एच०/22298	1-3-96 से 28-2-99	9/21/97
8.	मै० शालिमार सेरामिक, ए०-38 एम०, आई० डी० सी० एरिया, सेवानाम मार्ग, वर्धा-442006.	एम०एच०/60702	1-3-96 से 28-2-99	9/20/97

#### अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसका पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्मानित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसा विवरण देना भर्त्ता और लब्धा रखना तथा निराकरण के लिए ऐसा सुझाव प्रदान करना जो केंद्रीय भावपूर्ण निधि आयुक्त समय-समय पर विचार करे ।

2. नियोजक ऐसे निराकरण प्रस्ताव का प्रत्येक मामला को समाप्त के 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (2-b) के खण्ड के अधिनियम समय-समय पर विचार करे ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत कक्षाओं का रखा जाना, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सदाय, लब्धाओं का अन्तरण, निराकरण प्रस्ताव का सदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों का बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजक किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम सार्वजनिक दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सौंप करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक स्कीम से अधिक लाभों की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुसूचित हैं ।

3-349 CI/98

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वंश में संदेय हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिफल के रूप में शेष राशियों को बराबर राशि का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना विचार स्पष्ट करने का अवसर प्रदान करेगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाया या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस निश्चित तारीख के भीतर जो जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पाइलसी की वृत्तगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्ययक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व निगम पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय वृत्तवृत्ता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

के. सी. पाण्डे  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/2548—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इससे पहले इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इससे पहले इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई उल्लेख अंशदान या प्रीमियम की अवधि की बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहाय्य बीमा स्कीम, 1976

के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख में प्रभावी जिस दिनांक से उक्त स्थापना को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, पंजाब ने, स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत जीवन पदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

#### अनुसूची-1

क्र०सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	छूट प्राप्त की तिथि	क्र० भ० नि० आ० फाईल सं०
1.	मै० हिन्दी प्रेस (गुड़गांव) रजि० आफिस हिन्दू समाचार बिल्डिंग सिविल लाइन्स जलन्धर	पी०एन/17247	1-7-96 से 30-6-99	12(23)98/डी०एल०आई०
2.	मै० एच पी० शङ्कल कास्ट एवं शङ्कल ट्राईबस डेवलपमेंट कारपोरेशन सोलन	पी०एन/10524	1-4-98 से 31-3-92 1-4-92 31-3-95 1-4-95 से 31-3-98	12(24)98/डी०एल० आई०
3.	मै० हिमुरजा एच० पी०—सरकार डेवलपमेंट एजेंसी शिमला-9	पी०एन०/11973	1-3-96 से 28-2-99	12(25)98/डी०एल० आई०

#### अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेंगे और ऐसा लेखा रखेंगे तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेंगे जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेंगे जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिनके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रतिलिपि और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रतिलिपि तथा कर्मचारियों की वह संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सचिवालय पर प्रदर्शित करेंगे।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पड़ने ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाये

है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुकूल है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संशोधन राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वृत्ति में संशोधन होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी को निधि वापिस/नाम निर्देशितों के प्रतिफल के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उद्देश्यों में कोई भी संशोधन संबंधित केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमोदित के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना हितको स्पष्ट करने का यथेष्ट अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना पकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाये तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पॉलिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निदेशीयता या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम को अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम से अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उस हकदार नाम निदेशीयता/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. सी. पाण्डे

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

### राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

मुंबई, दिनांक 28 सितम्बर, 1998

सं० जीएस आर—राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का 61) की धारा 48 (5) के अनुसार में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक का 31 मार्च 1998 का तुलना-पत्र, 31 मार्च 1998 (अप्रैल 1997-मार्च 1998) को समाप्त वर्ष के लिए बैंक का लाभ और हानि लेखा तथा वर्ष की लेखा परीक्षाओं की रिपोर्ट नीचे प्रकाशित है।

बी० रामकृष्ण राव,  
महाप्रबन्धक एवं सचिव

### लेखा परीक्षाओं की रिपोर्ट

1997-98

एम० बी० शेटी एण्ड कम्पनी

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट

14/2, वेस्टर्न इण्डिया हाउस,  
सर पी० एम० रोड, कोर्ट  
मुंबई-400001

बांद्रा लिबर्टी को-ऑप० सोसायटी लि०  
प्रथम तल, अभ्युदय को० आ० बैंक के  
सामने,  
98-बी, हिल रोड, बांद्रा (वेस्ट)  
मुंबई-400050

### लेखा परीक्षाओं की रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के 31 मार्च, 1998 के संलग्न तुलना-पत्र और उसके साथ संलग्न उस तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ और हानि लेखों की जांच की है जिसमें प्रधान कार्यालय, 8 क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यवेक्षण विभाग और 2 प्रशिक्षण केन्द्र के विवरण शामिल है जिसका हमने दौरा किया है तथा लेखा परीक्षा की और जिन 17 क्षेत्रीय कार्यालयों, 1 उप-कार्यालयों और 1 प्रशिक्षण केन्द्र का हमने दौरा नहीं किया और लेखा परीक्षा में नहीं की, उनके गैर-लेखा परीक्षित विवरण भी शामिल किए गए हैं।

तुलना-पत्र एवं लाभ और हानि लेखे राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (अतिरिक्त) सामान्य विनियमावली, 1984 के अध्याय 4 के विनियम 8 की अनुसूची 'अ' एवं 'ब' के अनुसार तैयार किए गए हैं।

ऊपर उल्लिखित लेखा परीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट देते हैं कि:—

(क) हमारी राय में और हमारी अधिकतम जानकारी तथा हमें प्रस्तुत की गई व्याख्याओं एवं बैंक की बहियों में दर्शाए गए अनुसार :

(i) महत्वपूर्ण लेखा नितियों और उनसे सम्बन्धित टिप्पणियों के साथ पठित तुलना-पत्र, पूर्ण और स्पष्ट है और उनमें सभी आवश्यक विवरण दिए गए हैं तथा ये सही ढंग से तैयार किए गए हैं ताकि 31 मार्च, 1998 तक बैंक के कार्यों की सही और स्पष्ट स्थिति की जानकारी मिल सके।

(ii) महत्वपूर्ण लेखा नीतियों और उनसे सम्बन्धित टिप्पणियों के साथ पठित लाभ और हानि लेखा, 31 मार्च, 1998 को समाप्त वर्ष के लाभ के सही शेष को दर्शाता है।

(ख) हमने वेसी सभी सूचनाएं और व्याख्याएं प्राप्त की हैं जो हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारी लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक थीं और वे संतोषजनक पायी गयीं।

(ग) प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों, उप-कार्यालयों, प्रशिक्षण केन्द्रों और पर्यवेक्षण विभाग से प्राप्त विवरणों को हमारी लेखा-परीक्षा के प्रयोजन से पर्याप्त पाया गया है।

कुले एन० बी० शेटी एण्ड कम्पनी,  
सनवी लेखाकार  
एम० बी० शेटी  
साहेंवार

मुंबई- 16 जुलाई, 1998

## राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

31 मार्च 1998 को तुलना-पत्र

पिछला वर्ष

निधियां और देयताएं	रु०	रु०	रु०	रु०
1. पूंजी				
(i) नव्बार्ड अधिनियम, 1981 की धारा 4 के अंतर्गत		500,00,00,000		500,00,00,000
(ii) पूंजी अधिनियम (टिप्पणी 1 देखें)		1000,00,00,000		500,00,00,000
			1500,00,00,000	1000,00,00,000
2. प्रारक्षित निधि और अन्य प्रारक्षित निधियां :				
(i) प्रारक्षित निधि:				
पिछले लेख के अनुसार शेष	2050,53,79,831			1559,42,44,573
लाभ और हानि लेख से अन्तरित	366,38,74,187			491,11,35,258
		2416,92,54,018		2050,53,79,831
(ii) अनुसंधान एवं विकास निधि :				
पिछले लेख के अनुसार शेष	34,35,51,034			36,13,52,178
जोड़ें : लाभ और हानि खाते से अन्तरित	3,00,00,000			3,00,00,000
	37,35,51,034			39,13,52,178
घटाएं : वर्ष के दौरान व्यय/संवितरण	6,29,02,941			4,78,01,144
		31,06,48,093		34,35,51,034
(iii) मार्जिन राशि हेतु सुलभ ऋण सहायता निधि:		10,00,00,000		10,00,00,000
(iv) कृषि और ग्रामीण उद्यम उद्भवन निधि :		5,00,000		5,00,00,000
(v) सहकारी विकास निधि :				
पिछले लेख के अनुसार शेष	47,63,36,289			48,26,06,917
जोड़ें : लाभ और हानि खाते से अन्तरित	1,00,00,000			1,00,00,000
	48,63,36,289			49,26,06,917
घटाएं : वर्ष के दौरान व्यय/ संवितरण	4,64,15,835			1,62,70,628
		43,99,20,454		47,63,36,289

पिछली वर्ष

संपत्ति और परिसंपत्तियां	रु०	रु०	रु०	रु०
1. रोकड़ और बैंक शेष :				
(i) रोकड़ शेष		69,097		43,248
(ii) भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा शेष		65,31,03,250		56,31,08,483
(iii) बांडों पर दावारहित ब्याज का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा शेष पर कांद्वा [टिप्पणियां 15 (अ) और 15 (आ) देखें ]		2,69,24,640		1,51,56,956
(iv) भारत में अन्य बैंकों में जमा शेष				
(क) चालू खाते में		42,00,03,170		7,90,74,558
(ख) जमा खाते में		686,52,38,327		822,94,46,325
(4) मार्गस्थ प्रेषण		1,65,93,043		31,74,70,000
			798,19,31,527	820,43,19,570
2. भांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेव राशि			102,65,00,000	
3. निवेश : (लागत पर) (टिप्पणियां 8 और 9 देखें)				
(i) केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां				
अंकित मूल्य रु०	1335,47,00,000	1335,47,00,000		
बाजार मूल्य रु०	1247,18,23,529	1163,57,83,238	1241,95,00,000	1241,95,00,000
(ii) यूडीएफसी-हबिबटी		10,56,54,000		1,04,01,500
			1252,51,54,000	1242,99,01,500

पिछला वर्ष

निधियाँ और देवताएं	रु०	रु०	रु०	रु०
(vi) निवेश घट—बहु प्रारक्षित राशि (टिप्पणी 9 देखें) पिछले लेख के अनुसार शेष	25,30,12,238			---
जोड़ें : भारत सरकार की प्रति- भूतियों में निवेश के मूल्यह्रास हेतु प्रावधान से अन्तरित	78,37,16,762			25,30,12,238
	103,67,29,000			25,30,12,238
घटाएँ : भारत सरकार की प्रति- भूतियों में निवेश के मूल्यह्रास हेतु प्रावधान में अन्तरित	---			---
		103,67,29,000		25,30,12,238
(vii) विदेशी मुद्रा जोखिम निधि (टिप्पणियाँ 14 क और 14 ख देखें) पिछले लेख के अनुसार शेष	28,19,34,634			16,91,83,592
जोड़ें : लाभ और हानि खाते से अन्तरित	13,17,86,467			11,27,51,042
	41,37,21,101			28,19,34,634
घटाएँ : व्याज विभेदक निधि— विदेशी मुद्रा जोखिम लेख में अन्तरित	19,34,615			---
		41,17,86,486		28,19,34,634
(viii) अन्य प्रारक्षित निधियाँ : (क) प्रारक्षित पूंजी		74,80,53,208		74,80,53,208
(ख) व्याज विभेदक निधि— (टिप्पणी 2 देखें) पिछले लेख के अनुसार शेष वर्ष के दौरान बढ़ि	4,21,29,288 21,60,719			3,96,93,907 27,01,281
	4,42,90,007			4,23,95,188
घटाएँ : वर्ष के दौरान व्यय	6,41,295			2,65,900
		4,36,48,712		4,21,29,288
			27,31,00,39,971	2280,03,96,522

पिछला वर्ष

संपत्ति और परिसंपत्तियां	रु०	रु०	रु०	रु०
4. अग्रिम				
(i) पुनर्वित्त ऋण (टिप्पणियां 10 और 13 देखें)				
(क) उत्पाद और विपणन ऋण	4982,01,99,217		4907,68,44,117	
(ख) उत्पादन ऋण के लिए परिवर्तन ऋण	198,37,70,798		99,84,94,300	
(ग) मध्यावधि निवेश ऋण— गैर-परियोजना ऋण	91,35,08,727		128,06,34,747	
(घ) अन्य निवेश ऋण मध्यावधि और दीर्घावधि परियोजना ऋण	13729,74,06,959		12359,30,74,531	
दीर्घावधि गैर-परियोजना ऋण	513,48,28,450		418,47,09,610	
(ङ) पुनः भुनाये गये बिल	—		24,84,79,452	
		19514,97,10,151	17938,22,36,757	
(ii) ग्रामीण आधारभूत सुविधा विकास निधि-के अंतर्गत ऋण	2483,91,06,200		1474,73,52,000	
(iii) अन्य ऋण	7,42,77,805		5,93,74,675	
(iv) कृषि और ग्रामीण ऋण राष्ट्र योजना 1990 (टिप्पणी 7 देखें)	45,44,47,256		103,59,76,532	
5. भूमि : (लागत पर) (टिप्पणी 11 देखें) भूमि पूर्ण स्वामित्व पर या पट्टे पर पिछले लेख के अनुसार	100,39,64,433		99,70,36,256	
वर्ष के दौरान वृद्धि/समायोजन	1,69,87,241		69,28,177	
	102,09,51,674		100,39,64,433	
घटायें : पट्टाकृत प्रीमियमों का परिशोधन	2,22,67,857		1,72,36,470	
		99,86,83,817	98,67,27,963	
6. परिसर : (लागत पर) (टिप्पणी 11 देखें) पिछले लेख के अनुसार	91,23,96,780		87,93,17,975	
वर्ष के दौरान वृद्धि/समायोजन	2,50,54,933		3,30,78,805	
	93,74,51,713		91,23,96,780	
घटाएं : उक्त दिनांक तक मृत्युहस	30,78,81,116		27,37,65,885	
		62,95,70,597	63,86,30,895	

निधियाँ और देयताएँ	₹	₹	₹
3. राष्ट्रीय ग्रामीण ऋण (दीर्घाविधि परिचालन) निधि :			
पिछले लेखे के अनुसार शेष	8636,00,00,000		8185,00,00,000
भारतीय रिज़र्व बैंक से अंशदान	1,00,00,000		1,00,00,000
बैंक का अंशदान (टिप्पणी 18 देखें)	550,00,00,000		450,00,00,000
		9187,00,00,000	8636,00,00,000
4. राष्ट्रीय ग्रामीण ऋण (स्थिरीकरण) निधि :			
पिछले लेखे के अनुसार शेष	842,00,00,000		840,00,00,000
भारतीय रिज़र्व बैंक से अंशदान	1,00,00,000		1,00,00,000
बैंक का अंशदान (टिप्पणी 18 देखें)	100,00,00,000		1,00,00,000
		943,00,00,000	842,00,00,000
5. ग्रामीण आधारभूत सुविधा विकास निधि (टिप्पणी 5 देखें) :			
पिछले लेखे के अनुसार शेष	1392,30,50,000		350,00,00,000
वर्ष के दौरान वृद्धि	1007,04,00,000		1042,30,50,000
		2239,34,50,000	1392,30,50,000
6. व्याज विभेदक निधि : (विदेशी मुद्रा जोखिम) (टिप्पणी 14क देखें)			
पिछले लेखे के अनुसार शेष	8,09,97,715		96,97,765
वर्ष के दौरान वृद्धि	5,73,51,668		7,12,99,950
जोड़ें : विदेशी मुद्रा जोखिम निधि से अंतरित	19,34,615		—
		14,02,83,998	8,09,97,715
7. चिकित्सा सहायता निधि :			
पिछले लेखे के अनुसार शेष	75,09,146		72,82,413
सदस्यों का अंशदान	9,50,128		8,99,008
निधि में जमा किया गया व्याज	8,47,571		8,60,964
	93,06,845		90,42,385
घटाएं : निधि से किए गए व्यय	21,82,260		15,33,239
		71,24,585	75,09,146



		पिछला वर्ष
संपत्ति और परिसंपत्तियाँ	रु०	रु०
7. फर्निचर और जुड़नार (लागत पर)		
पिछले लेखे के अनुसार	16,83,07,814	12,38,66,023
वर्ष के दौरान वृद्धि/समायोजन	1,19,11,572	4,56,77,764
	18,02,19,386	16,95,43,787
घटाएं : बेची गई/बट्टे खाते वाली		
गई परिसम्पत्तियों की लागत	14,60,483	12,35,973
	17,87,58,903	16,83,07,814
घटाएं : उक्त दिनांक तक मूल्यह्रास	10,31,38,409	8,67,98,992
	7,56,20,494	8,15,08,822
8. कम्प्यूटर संस्थापनाएं और कार्यालय		
उपस्कर : (लागत पर)		
पिछले लेखे के अनुसार	14,25,07,173	11,79,89,168
वर्ष के दौरान वृद्धि/समायोजन	3,30,20,328	2,55,77,351
	17,55,27,501	14,35,66,519
घटाएं : बेची गई/बट्टे खाते वाली		
गई परिसम्पत्तियों की लागत	15,00,060	10,59,346
	17,40,27,441	14,25,07,173
घटाएं : उक्त दिनांक तक मूल्यह्रास	11,79,70,140	9,71,20,037
	5,60,57,301	4,53,87,136
9. वाहन : (लागत पर)		
पिछले लेखे के अनुसार	1,00,12,328	91,83,944
वर्ष के दौरान वृद्धि/समायोजन	24,79,352	8,30,276
	1,24,91,680	1,00,14,220
घटाएं : बेची गई/बट्टे खाते वाली		
गई परिसम्पत्तियों की लागत	7,68,348	1,892
	1,17,23,332	1,00,12,328
घटाएं : उक्त दिनांक तक मूल्यह्रास	76,05,442	68,36,857
	41,17,890	31,75,471

निधियाँ और देयताएं	रु०	पिछला वर्ष
8. राष्ट्रीय बैंक—स्विस् विकास सहयोग परियोजना : (टिप्पणियाँ 3 और 4 देखें)		
पिछले लेखों के अनुसार प्राप्त		
अनुदान	109,47,85,448	107,61,45,448
जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	1,85,86,500	1,86,40,000
	111,33,71,948	109,47,85,448
घटाएं : (क) वर्ष 1994-95 तक राष्ट्रीय बैंक—स्विस् प्रबंधन निधि में अन्तरित		
वसूलियाँ	68,61,47,374	68,61,47,374
(ख) पिछले वर्ष तक ऋ० वि० से० नि० में अन्तरित वसूलियाँ	25,36,93,900	13,10,87,000
(ग) वर्ष के दौरान ऋ० वि० से० नि० में अन्तरित वसूलियाँ	8,18,69,900	12,26,06,900
	102,17,11,174	93,98,41,274
		9,16,60,774 15,49,44,174
9. राष्ट्रीय बैंक—स्विस् VII निधि प्राप्त अनुदानों से अन्तरित निधि में जमा ब्याज	4,48,49,069	—
	32,02,744	—
	4,80,51,813	—
घटाएं : वर्ष के दौरान किया गया व्यय/संश्लेषण	1,73,57,702	—
		3,06,94,111 —
10. ग्रामीण उन्नयन समूह निधि (टिप्पणी 3 देखें) :		
(क) समूह : राष्ट्रीय बैंक— स्विस् प्रबंधन निधि से अन्तरित	61,80,70,668	61,80,70,668
(ख) ब्याज : पिछले लेखों के अनुसार शेष निधि में जमा ब्याज	17,13,64,617	12,40,97,054
	7,10,78,127	7,10,78,127
	24,24,42,744	19,51,75,181
घटाएं : वर्ष के दौरान व्यय संश्लेषण	2,94,21,579	2,38,10,564
	21,30,21,165	17,13,64,617
		83,10,91,833 78,94,35,285

संपत्ति और परिसंपत्तियाँ	पिछला वर्ष			
	रु० पै०	रु० पै०	रु० पै०	रु० पै०
10. अन्य परिसंपत्तियाँ :				
(i) भू-स्वामियों के पास जमा राशियाँ		3,13,73,129		2,05,87,734
(ii) स्टाफ को आवास ऋण		25,39,70,063		19,07,32,324
(iii) अनुसंधान और विकास निधि से ब्याज रहित अग्रिम		49,91,000		49,91,000
(iv) भू-स्वामियों को अग्रिम		20,81,534		20,77,688
(v) स्टाफ क्वार्टरों और कार्यालय परिसरों की खरीद/निर्माण हेतु अग्रिम		78,91,55,933		63,61,32,859
(vi) उपचित ब्याज (टिप्पणी 13 देखें)		666,59,03,427		582,31,52,890
(vii) सरकारी विभागों और अन्य संस्थानों में जमा राशियाँ		62,43,143		52,13,264
(viii) विविध देनदार		47,07,86,198		38,79,61,977
(ix) निम्नलिखित के लिये भारत सरकार/अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों से वसुली योग्य व्यय				
(क) राष्ट्रीय बैंक ऋण परियोजना के अंतर्गत पायलट परियोजना	28,45,800			28,45,800
(ख) ग्रामीण विकास हेतु अनुसंधान अध्ययन	34,231			34,231
(ग) स्विस विकास सहयोग-परियोजना ग्रामीण कृषीतर क्षेत्र विकासात्मक कार्यक्रम	2,26,99,350			2,48,56,161
(घ) अकविनि—एमआरसीपी ऋण	1,96,30,618			1,58,58,735
(ङ) ग्रामीण उद्योगों का संघन विकास	4,26,200			6,00,028
(च) के० एफ० डब्ल्यू०—नाबार्ड V आदिवासी कार्यक्रम	3,60,00,000			1,50,00,000
(छ) सी० ई० सी०—बी० ए० आई० एफ०	6,51,90,360			1,09,93,301
	13,68,26,559			7,01,88,256
बटाएँ : वर्ष के दौरान भारत सरकार से प्राप्त अनुदान के समक्ष समायोजित, पर काट्टा	10,27,75,419			4,52,39,848
		3,40,51,140		2,49,48,408

पिछला वर्ष

निधियाँ और वेवसाएँ	र० प०	र० प०	र० प०	र० प०
11. ऋण और वित्तीय सेवा निधि (टिप्पणियाँ 3 और 4 देखें) :				
पिछले लेखे के अनुसार शेष		45,27,77,867		28,32,13,717
राष्ट्रीय बैंक—स्ववित्त परियोजना से				
अन्तर्गत		8,18,69,900		12,26,06,900
निधि में जमा की गई वृद्धि/उपचय		3,87,86,245		5,45,81,786
		57,34,34,012		46,04,02,403
घटाएँ : वर्ष के दौरान व्यय/ संवितरण		85,10,883		76,24,536
			56,49,23,129	45,27,77,867
12. बाहरी विकास के लिए के एक बजट निधि :				
पिछले लेखे के अनुसार शेष		1,06,93,269		1,11,20,273
जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान		5,38,31,737		4,33,69,275
		6,45,25,006		5,44,89,548
घटाएँ : वर्ष के दौरान व्यय/संवितरण		6,45,25,006		4,87,06,279
				1,06,93,269
13. उपहार, अनुदान, धान और उपकृतियाँ				
(i) पिछले लेखे के अनुसार शेष		7,75,06,283		6,40,53,176
जोड़ें : वर्ष के दौरान प्राप्त/अनुदान (टिप्पणी 6 देखें)		16,35,90,276		5,86,92,955
घटाएँ : स्ववित्त vii निधि में अन्तर्गत		4,48,49,969		—
		19,62,47,490		12,27,46,131
घटाएँ : परियोजना पर किए गए व्यय से समायोजित, पर कांदा		10,27,75,419		4,52,39,848
			9,34,72,071	7,75,06,283
(ii) कृषाभूरा योजना 1990 के अन्तर्गत भारत सरकार के हिस्से के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त तथा क्षेत्रीय प्रामीण बैंक/रास बैंक/राभूवि बैंकों को दिया गया अनुदान		2700,02,19,215		2704,99,13,230
घटाएँ : कृषाभूरा योजना 1990 के अन्तर्गत क्षेत्रीय बैंकों/रास बैंकों/ राभूवि बैंकों को जारी अनुदान (टिप्पणी 7 देखें)		2700,02,19,215		2704,99,13,230

पिछला वर्ष

संपत्ति और परिसंपत्तियां	र०	पै०	र०	पै०	र०	पै०	र०	पै०
( ) राष्ट्रीय बैंक ऋण परियोजना की पायलट परियोजना के अन्तर्गत वितरित ऋण, जो बैंकों से वसूली योग्य हैं, पर कांटा				23,900			2,22,875	
(xi) प्राप्त बट्टा				—			3,49,315	
(xii) पायलट परियोजना के अन्त- र्गत वितरित ऋण				18,486			18,486	
				825,85,97,9537			709,63,88,820	

पिछला वर्ष

निधियां और वेयताएं	रु०	पै०	रु०	पै०	रु०	पै०
(iii) पायलट परियोजना के लिए अनुदान, पर कांटा (टिप्पणी 17 देखें)						
पिछले लेखे के अनुसार शेष			2,22,875		13,12,106	
घटाएँ : वर्ष के दौरान प्राप्त शुकोतियां जो लाभ और हानि खाते में अन्तरित की गई			1,98,975		10,89,231	
				23,900	2,22,875	
14. जमा राशियां						
(i) केन्द्र सरकार			16,22,81,000		19,11,31,000	
(ii) राज्य सरकार			9,24,52,000		11,35,52,000	
(iii) अन्य :						
(क) आय कम्पनियां			72,11,36,482		67,53,93,345	
(ख) वाणिज्यिक बैंक (प्राथमिकता क्षेत्र की राशि में कमी की राशि)			159,42,00,000		362,85,37,225	
				257,00,69,482	460,86,13,570	
15. बांड और डिबेंचर :						
पिछले लेखे के अनुसार शेष			1244,65,11,000		1044,64,76,000	
वर्ष के दौरान जारी [टिप्पणी 15(ग) देखें]			163,50,00,000		265,96,00,000	
			1408,15,11,000		1310,60,76,000	
घटायेँ : वर्ष के दौरान मोधन			38,50,00,000		65,95,65,000	
				1369,65,11,000	1244,65,11,000	
16. उधार राशियां :						
(i) केन्द्र सरकार से			1059,41,89,256		1170,35,62,878	
(ii) सामान्य ऋण व्यवस्था के अन्तर्गत भारि बैंक से			4970,89,75,000		4765,30,29,000	
(iii) कृषि ऋण योजना 1990 के अन्तर्गत भारि बैंक से (टिप्पणी 7 देखें)			45,55,22,490		109,58,32,187	
(iv) अन्तराष्ट्रीय एजेंसियों से (टिप्पणियां 14 क और 14 ख देखें)			234,65,49,671		171,00,00,441	
(v) मुनाये गये टी० टी०			—		10,00,000	
				6310,52,36,417	6216,34,24,506	



पिछला वर्ष

निधियाँ और देयतायें	रु.	पै०	रु०	पै०	रु०	पै०	रु०	पै०
17. बाबू देयतायें और प्रावधान :								
(i) कृषाभूरा योजना 1990 के अन्तर्गत भारि बैंक से लिये गये उधार पर उपचित ब्याज		4,58,16,675					12,21,70,949	
(ii) ब्याज उपचित लेकिन देय नहीं :								
(क) केन्द्र सरकार के ऋण पर	22,81,73,378						24,05,04,239	
(ख) बांडों पर	37,67,62,518						35,53,65,499	
(ग) चाय कम्पनियों की जमा राशियों पर	5,39,85,175						5,09,30,654	
(घ) केन्द्र और राज्य सरकारों से जमाओं पर	43,96,761						52,58,912	
(ङ) अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से ली गई उधार पर	33,20,552						32,05,699	
(च) ग्रामीण आधारभूत सुविधा विकास निधि के अन्तर्गत जमा राशियों पर	54,01,16,830						23,53,96,917	
(छ) प्राथमिकता क्षेत्र कमी के अन्तर्गत जमा राशियों पर	8,69,54,997						14,19,64,785	
			129,37,10,206				103,26,26,705	
(iii) विविध लेनदार			43,64,74,734				25,86,42,928	
(iv) उपबान हेतु प्रावधान			37,38,19,538				23,03,28,634	
(v) पेंशन हेतु प्रावधान [टिप्पणी 16 (अ) देखें]			23,15,49,988				18,13,55,423	
(vi) अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान [टिप्पणी 16 (आ) देखें]			4,50,0,000				—	
(vii) प्राप्त बैंक जिनकी वसूली होने पर उधारकर्ता अभिम लेखे के सम्बन्ध में समा- योजन होना है ।			40,89,35,103				19,44,23,287	
(viii) रिजर्व बैंक द्वारा रखे गये बांडों पर बावारहित ब्याज, पर कांटा [टिप्पणियां 15 (अ) और 15 (आ) देखें]			2,69,24,640				1,51,51,956	
(ix) बांडों पर बावारहित ब्याज			13,85,000				1,61,84,743	



विच्छेदा वर्ष

ह०

ह०

ह०

(x) परिपक्व किन्तु बाधा न किए गये बांड [टिप्पणी 15 (अ) देखें]	17,77,60,375	32,72,60,375
(xi) प्रावधान और आकस्मिक व्यय (टिप्पणियां 9 और 13 देखें)	29,78,17,461	103,67,47,929
	333,91,93,720	341,48,97,929
	25207,37,74,991	22571,09,80,141

लेखाधन के लिये शेष पूंजी-  
गत संविदाओं के मायदे

करोड़ रुपयों में  
34.57

34.02

आकस्मिक देयताएँ

(i) उन परिसरों के निर्माण के लिये अतिरिक्त भुगतान हेतु दावे जो विवादग्रस्त हैं	5.89	5.30
(ii) कार्य संविदाओं पर बिक्री कर	अनिर्धारित	अनिर्धारित
(iii) औद्योगिक ग्यायाधिकरण में लम्बित अन्य दावे, जिनका अभिनिर्णय किया जाना है।	अनिर्धारित	अनिर्धारित

लेख के भागों पर टिप्पणियां — अनुसूची 'अ'  
हमीद बाऊद  
मुख्य महाप्रबन्धक  
वित्त और लेखा विभाग  
मुम्बई, 15 जुलाई 1998

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार  
कृते एन० बी० शेटी एण्ड कम्पनी  
सतवी लेखाकार  
एन० बी० शेटी साझेदार  
मुम्बई 16, जुलाई 1998

पिछला वर्ष

संपत्ति और परिसंपत्तियां

रु०

रु०

रु०

रु०

25207,37,74,991

22571,09,80,141

पी० ए० रामाराव प्रबन्ध निदेशक	बी० वी० चौधरी निदेशक	राम भूपाल एम० एस० वर्मा निदेशक	जगदीश कपूर निदेशक	पी० एल० संजीव रेड्डी निदेशक	सी० एम० वासुदेव निदेशक	एन० के० अग्रवाल निदेशक	ई० टी० सुतूप निदेशक
-------------------------------------	----------------------------	-----------------------------------------	-------------------------	-----------------------------------	------------------------------	---------------------------	------------------------

सुम्माई 16 जुलाई, 1998

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक  
31 मार्च, 1998 को समाप्त वर्ष का लाभ और हानि लेखा

पिछला वर्ष

	र०	र०	र०
(1) अदा किया गया ध्याज :			
(क) केन्द्र सरकार से लिए गये ऋणों पर	80,36,39,190		84,75,46,801
(ख) भारतीय रिजर्व बैंक से लिए गए उधारों पर	206,57,22,141		226,64,28,596
(ग) बांडों पर	147,85,31,952		131,06,34,510
(घ) केन्द्र और राज्य सरकार की विशेष ऋण जमा राशियों पर	1,98,32,716		2,13,27,809
(ङ) चाय जमा राशियों पर	7,25,13,333		6,63,62,257
(च) प्राथमिकता क्षेत्र कमी के अंतर्गत जमा राशियां	26,27,13,684		14,25,93,826
(छ) ग्रेजुटी और चिकित्सा निधि पर	2,64,03,499		1,99,76,322
(ज) कयाऋण योजना 1990 पर	4,60,94,383		15,17,78,888
(झ) मीयादी मुद्रा बाजार से लिए गए उधारों पर	---		21,71,875
(झ) अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी से लिए गए उधारों पर	11,55,51,295		8,09,87,338
(ट) ग्रामीण आधारभूत सुविधा विकास निधि के अंतर्गत जमा राशियों पर	198,63,43,598		89,44,90,661
(ठ) ग्रामीण उन्नयन समूह निधि पर	7,10,78,127		7,10,78,127
(ड) ऋण और वित्तीय सेवा निधि पर	3,87,86,245		2,48,48,386
(ढ) स्विक्स vii परियोजना पर	32,02,744		58,42,370
(ण) सीईसी-बीआईएफ निधि पर	33,48,405		---
		699,37,61,312	581,60,67,766
(2) वेतन और भत्ते		80,81,18,433	73,95,16,638
(3) स्टाफ अधिवर्षिता निधि में अंशदान [ टिप्पणियां 16(अ) और 16(आ) देखें ]		29,78,57,066	17,53,70,363
(4) निवेशकों और समिति सदस्यों की बैठकों से संबंधित यात्रा तथा अन्य भत्ते		8,03,532	7,32,713
(5) निवेशकों और समिति सदस्यों की फीस		4,000	5,000
(6) किराया वरें, बीमा, बिजली आदि		14,08,69,073	12,76,66,524
(7) यात्रा व्यय		7,09,02,230	7,05,31,479
(8) मुद्रण और लेखन सामग्री		1,58,97,474	1,74,07,626
(9) डाक व्यय, तार और टेलीफोन		2,47,48,922	2,09,87,729
(10) सरम्मत कार्य		75,71,457	63,20,320
(11) लेखा परीक्षा फीस		82,500	82,500
(12) निधि प्रभार		13,21,259	17,09,323
(13) बांडों पर बट्टा, वलासी और कमीशन		1,94,80,770	2,40,25,622
(14) विविध व्यय		13,12,45,495	11,17,85,578
(15) अध्ययन और प्रशिक्षण पर व्यय		6,08,12,775	5,62,33,166
(16) मूल्यह्रास		7,87,49,897	7,12,00,495
(17) सम्पत्ति कर (टिप्पणी 19 देखें)		8,94,299	11,94,967
वर्षभर का लाभ जिसे ताबे ले जाया गया		383,56,60,654	506,38,86,300
		1248,87,81,148	1230,47,24,109

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक  
31 मार्च 1998 को समाप्त वर्ष का लाभ और हानि लेखा

पिछला वर्ष

	रु०	रु०	रु०
(1) ऋणों, निवेशों और पर प्राप्त व्याज (टिप्पणियाँ 13 और 18 देखें) :	1232,00,49,526	1214,80,63,010	
(2) प्राप्त बट्टा	12,12,19,173	10,43,66,781	
(3) अन्य प्राप्तियाँ (टिप्पणी 17 देखें)	4,75,12,449	5,22,94,318	

1248,87,81,148 1230,47,24,109

\*राष्ट्रीय बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 42 और 43 के अंतर्गत मांविधिक जमावान करने के बाव ।

पिछला वर्ष

	रु०	रु०	रु०
निम्नलिखित में अन्तर्गत :			
सहकारी विकास निधि		1,00,00,000	1,00,00,000
प्रारक्षित निधि		366,38,74,187	491,11,35,258
अनुसंधान और विकास निधि		3,00,00,000	3,00,00,000
विवेशी मुद्रा जोखिम निधि		13,17,86,467	11,27,51,042
		383,56,60,654	508,38,86,300

लेख के भागों पर टिप्पणियाँ—अनुसूची 'अ'

हमीश बाऊव

मुख्य महाप्रबंधक

वित्त एवं लेखा विभाग

मुम्बई, 15 जुलाई, 1998

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कुले एन० बी० शेट्टी एण्ड कम्पनी

सभी लेखाकार

एन० बी० शेट्टी

साझेदार

मुम्बई, 16 जुलाई, 1998

		पिछला वर्ष	वर्ष
		रु०	रु०
वर्ष का लाभ नीचे लाया गया		383,56,60,654	506,38,846,300
		383,56,60,654	506,38,86,300
पी० वी० ए० रामाराव प्रबंध निदेशक	वी० राम भूपाल चौधरी निदेशक	एम० एस० वर्मा निवेशक	जगवीश कपूर निदेशक
पी० एल० संजीव रेड्डी. निदेशक दुबई, 16 जुलाई 1998	सी० एम० वासुदेव निदेशक	एन० के० अप्रवाल निवेशक	ई० टी० सुनूप निदेशक

## अनुसूची "अ"

लाभ और हानि लेखे और तुलन-पत्र के भाग के रूप में  
लेखा नीतियां और टिप्पणियां

(अ) महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

## 1. सामान्य

1.1 लागत निर्धारण के परम्परागत तरीकों के अनुसार लेखे तैयार किए गए हैं।

## 2. आय एवं व्यय

2.1 निम्नलिखित को छोड़कर अन्य मामलों में आय एवं व्यय को उपर्युक्त आधार पर लेखाबद्ध किया गया है :

- स्टाफ ऋण पर ब्याज (आवास ऋण को छोड़कर)।
- मूलधन की चुकौती की दर से प्राप्ति पर लगाए जाने वाले वण्छात्मक ब्याज से आय।
- सहभागी बैंकों द्वारा असफल मॉडल कुआं क्षतिपूर्ति योजना के अंतर्गत माफ किए गए ब्याज को शेयर करना।
- ऐसे मामले, जहां भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार आय मान्यता मानवण्ड लागू है।
- जहां एकल व्यय शीर्ष के अंतर्गत प्रत्येक लोकेशन पर खर्च 10,000/- रुपये से अधिक नहीं है।

इनकी गणना नकब आधार पर की गई है।

2.2 आस्थगित ब्याज पर प्राप्य ब्याज का हिसाब, किस्तों की वेब तारीख के आधार पर लगाया गया है।

2.3 बांड जारी करने से संबंधित निर्गम व्यय को उसी वर्ष बट्टे खाते डाल दिया गया।

## 3. अचल परिसंपत्तियां

3.1 अचल परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, अधिग्रहण/निर्माण की लागत के आधार पर किया गया है।

3.2 कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची XIV में निर्धारित दरों पर मूल्य-ह्रासित विधि के आधार पर वर्ष के अंत में अचल परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास किया गया है, और उन परिसंपत्तियों का भी, जिनका मूल्य 1,000/- रुपये से 5,000/- रुपये के बीच है, जिनका 100% अवमूल्यन खरीद वर्ष के अंत में ही किया जाना अपेक्षित है, उच्च मूल्य वाली परिसंपत्तियों के लिए लागू वरों पर मूल्य-ह्रासित किया गया है। पट्टाकृत परिसंपत्तियों पर प्रीमियम का परिशोधन पट्टे की पूरी अवधि में किया जाता है।

3.3 भूमि में पूर्ण स्वामित्व वाली और पट्टाकृत भूमि दोनों ही शामिल हैं।

3.4 परिसर में वह भूमि शामिल है जहां भूमि और परिसर का अलग-अलग मूल्य तत्काल उपलब्ध नहीं है।

## 4. निवेश

4.1 भारत सरकार की प्रतिभूतियों में निवेश को प्रबंधन ने इस वर्ष के लिए रखा माना है। इन निवेशों का मूल्यांकन वाणिज्यिक बैंकों पर लागू भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार बाजार मूल्य/परिपक्वता आय के आधार पर किया जाता है, इन निवेशों के मूल्य में वर्ष के अंत में यदि कोई कमी आए तो उसके लिए प्रावधान रखा जाता है।

4.2 सभी अन्य निवेशों का मूल्यांकन लागत आधार पर किया जाता है। वर्ष के अंत में मूल्य में कोई कमी आए तो इसके लिए प्रावधान रखा जाता है।

4.3 निवेशों की वही लागत बताई जाती है जो वास्तविक लागत होती है। निवेश के मूल्य में ह्रास के लिए प्रावधान चालू देयताओं एवं प्रावधानों के अंतर्गत किया जाता है।

#### 5. पुनः भुनाये गये धन

5.1 पुनः भुनाये गये धनों के, पूर्ण बट्टा घटाने के अन्तर्गत, मूल्य को 'अग्रिम' के रूप में दर्शाया जाता है। पुनर्भुनाई की तारीख से वर्ष के अंत तक की अवधि बट्टे को 'प्राप्य बट्टा' के रूप में लेखाबद्ध किया जाता है।

#### 6. कर्मचारियों को भुगतान और प्रावधान

6.1 बैंक में एक भविष्य निधि योजना है जिसका प्रबंध भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत अंशदायक किया जाता है और भारतीय रिजर्व बैंक को उसका भुगतान किया जाता है।

6.2 ग्रेजुटी हेतु प्रावधान औद्योगिक मूल्यांकन द्वारा यथानिर्धारित देयताओं के आधार पर किया जाता है।

6.2 कर्मचारियों को वेतनग्रेजुटी हेतु उपर्युक्त प्रावधान में भारतीय रिजर्व बैंक से स्थानांतरित कर्मचारियों से संबंधित प्रावधान भी शामिल है और उनके लिए भारतीय रिजर्व बैंक से वेतन अंशदान जमा भी प्रस्तुत होता है, लेखाबद्ध किया जाता है।

6.4 ग्रेजुटी निधि बैंक के परिचालनों का एक अभिन्न अंग है और निधि में जमा वार्षिक शेष वकामा पर व्याज भिन्न जाता है तथा निधि को चालू देयताओं एवं प्रावधानों के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

6.5 बैंक में कर्मचारियों के लिए एक सेवानिवृत्ति योजना है। देयता का निर्धारण करने के बाद योजना में अंशदान को वर्ष और हानि लेखों में नाम किया जाता है। निधि के शेष को चालू देयताओं एवं प्रावधानों के अंतर्गत दर्शाया जाता है।

#### (ब) टिप्पणियाँ

1. नाबार्ड अधिनियम 1981 में संशोधन होना अभी सम्भव है, अतः पूँजी में वृद्धि हेतु वर्ष के दौरान पूँजी के निम्नलिखित 500 करोड़ रुपये (400 करोड़ रुपये भारतीय रिजर्व बैंक से और 100 करोड़ रुपये भारत सरकार से) का अंकित प्राप्त हुआ।

2. तथा कमाण्ड क्षेत्र विकास परियोजना करार के अनुसार राष्ट्रीय बैंक को दिये गये ऋणों पर भारत सरकार द्वारा 6.5% प्रति वर्ष की दर से व्याज प्रभारित किया जाता है, जिसमें से 4.5% 'विशेषक व्याज निधि' में लेखाबद्ध किया गया है, जिसका उपयोग कुछ विशेष प्रयोजनों के लिए किया जाता है और शेष 2% का भुगतान भारत सरकार को किया गया है।

3. 29 मार्च, 1996 को 'स्विस विकास सहयोग' और 'राष्ट्रीय बैंक' के बीच हुए करार ज्ञापन के अनुसार 'राष्ट्रीय बैंक स्विस वि० सहयोग परियोजना' से 8.19 करोड़ रुपये (12.26 करोड़ रुपये) की राशि ऋण और वित्तीय सेवा निधि में अंतरित की गई। वर्ष 1997-98 के लिये ऋण और वित्तीय सेवा निधि तथा ग्रामीण मंचन समूह निधि की बिना उपयोग की गई शेष राशि पर, 11.5% की वार्षिक दर से व्याज की राशि निधियों में जमा कराई गई।

4. 31 मार्च, 1998 तक स्विस विकास सहयोग (एस० डी० सी०) परियोजनाओं के अंतर्गत बैंक द्वारा प्रदान किये गये पुनर्वित्त के समक्ष स्विस विकास सहयोग (एस० डी० सी०) से 111.34 करोड़ रुपये (109.48 करोड़ रुपये) का अनुदान प्राप्त हुआ। करार में प्रत्याशित इस प्रकार के पुनर्वित्त से होने वाली 8.19 करोड़ रुपये (12.26 करोड़ रुपये) की वसुली की राशि को ऋण और वित्तीय सेवा निधि में अंशदान माना गया है।

5. ग्रामीण आधारभूत सुविधा विकास निधि के अन्तर्गत ग्रा० आ० सु० वि० निधि I, II, और ग्रा० आ० सु० वि० निधि III के लिये क्रमशः 2000 करोड़ रुपये, 2500 करोड़ और 2500 करोड़ रुपये की कुल राशि बी गई। इसके समक्ष 31 मार्च 1998 की स्थिति के अनुसार इन निधियों में क्रमशः 1379.95 करोड़ रुपये (1192.31 करोड़ रुपये), 870 करोड़ रुपये (200 करोड़ रुपये) और 149.40 करोड़ रुपये (रुपये शून्य) की राशि बकाया शेष है।

6. वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान में सी ई० सी०-बी० ए० आई० एफ० परियोजना के अंतर्गत प्राप्त अनुदान की बिना उपयोग की गई शेष राशि पर व्याज के रूप में देय 0.33 करोड़ रुपये की राशि भी शामिल है।

7. कृषि और ग्रामीण ऋण राहत योजना, 1990 के अनुसार राष्ट्रीय बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को अनुदान और राज्य-सहकारी बैंकों तथा भूमि विकास बैंकों को ऋण/अनुदान की बाबत भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त निधियों के संवितरण हेतु एक चैलेंज के रूप में काम कर रहा है। कृषि और ग्रामीण ऋण राहत योजना, 1990 के अंतर्गत उपभार, 31 मार्च, 1998 को इस योजना के अंतर्गत अग्रिमों की तुलना में 0.11 करोड़ रुपये (5.99 करोड़ रुपये) अधिक है क्योंकि बैंक के कुछ कार्यालयों द्वारा 31 मार्च 1998 तक प्राप्त चुकौतियों को अप्रैल 1998 में भारतीय रिजर्व बैंक को प्रेषित किया गया।

8. निवेश में 630.87 करोड़ रुपये (630.87 करोड़ रुपये) के अंकित मूल्य की सरकारी प्रतिभूतियाँ शामिल हैं, जिनके निपटान के लिये भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व अनुमति अपेक्षित है।

9. भारतीय रिजर्व बैंक के मूल्यांकन विमाननिर्देशों के आधार पर भारत सरकार की प्रतिभूतियों के मूल्य में 31 मार्च, 1998 को अनुमानित 5.23 करोड़ रुपये की वृद्धि



हुई है, तदनुसार 31 मार्च, 1997 को भारत सरकार की प्रतियोगियों के मूल्यांकन के अनुसार जो 78.37 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था लेकिन जिसकी अब आवश्यकता नहीं है, उसे निवेश घट-बढ़ रिजर्व में अंतरित किया गया है।

10. राष्ट्रीय बैंक ने राज्य भूमि विकास बैंकों/भूमि बंधक बैंकों द्वारा जारी किए गए डिबेंचरों के लिए अभिमान करके विभिन्न भुगतान किए हैं जिन्हें 'अग्रिम-अन्य निवेश-ऋण-मध्यावधि और दीर्घावधि परियोजना ऋण' के अंतर्गत शामिल किया गया है। 31 मार्च, 1998 की स्थिति के अनुसार 197.37 करोड़ रुपये (288.72 करोड़ रुपये) मूल्य के आबंटन पत्र/डिबेंचर स्क्रिप अभी भी प्राप्त किए जाते हैं जिसमें से 193.77 करोड़ रुपये के आबंटन पत्र/डिबेंचर स्क्रिप अब तक प्राप्त हो चुके हैं।

11. 'भूमि' और 'परिसर' में विभिन्न स्थानों पर कार्यालय परिपरी और स्टाफ क्वार्टरों के लिए 54.98 करोड़ रुपये (55.79 करोड़ रुपये) की कुल राशि के लिए गए भुगतान शामिल हैं, जिनके संबंध में हस्तांतरण विलेख/अन्य विधिक दस्तावेज, कतिपय प्रक्रियागत विलंब के कारण अभी तक राष्ट्रीय बैंक के पक्ष में दिवादिन नहीं किए गए हैं।

12. 31 मार्च, 1998 को बैंक की पूंजी पर्याप्तता दर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 8% के समक्ष 52.47% (40.37%) थी।

13. देय तारीख के बाद तीस दिनों तक बकाया रहने वाली व्याज की राशि को 'पास्ट ड्यू' माना गया है। 'अग्रिमों' के संदर्भ में, जहाँ व्याज 31 मार्च, 1998 को दो तिमाहियों से 'पास्ट ड्यू' बना हुआ है, 27.21 करोड़ रुपये (12.88 करोड़ रुपये) के कुल उपचित व्याज को आय नहीं माना गया है। बैंक आफ करोड़ लिमिटेड (परिममाण में) द्वारा की गई 0.31 करोड़ रुपये की मूलधन की चुक जेत् 1993-94 के दौरान किया गया प्रावधान वर्ष 1997-98 के दौरान भी जारी रहा। इसके अलावा, क्षेत्रीय, प्राचीन बैंकों, राज्य सहकारी बैंकों और स्टाफ अग्रिमों द्वारा की गई मूलधन की चुकों के लिये 29.47 करोड़ रुपये (24.99 करोड़ रुपये) का प्रावधान किया गया। इन चालू देयताओं और प्रावधान के तहत दर्शाया गया।

14. (क) भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गनिर्देशों के अनुसार 31 मार्च 1998 को 108.52 मिलियन ड्यूश मार्क (80 मिलियन ड्यूश मार्क) की विदेशी मुद्रा देयता का उक्त तारीख को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित दर के संदर्भ में पुनः मूल्यांकन किया गया। तदनुसार ड्यूश मार्क के मुकाबले भारतीय रुपये के मूल्य में कमी होने के परिणामस्वरूप निर्धारित गया उधार में 1.58 करोड़ रुपये की वृद्धि हो गई। (वर्ष 1996-97 में ड्यूश मार्क की मुकाबले भारतीय रुपये की मूल्य वृद्धि होने के कारण विदेशी मुद्रा उधार में 1.57 करोड़ रुपये की कमी हो गई थी)। इन 'व्याज

विभेदक निधि-विदेशी मुद्रा जोखिम' में समायीकृत कर दिया गया है।

14. (ख) (सीधे लिए गए अन्तर्गत्रीय ऋणों के मामले में) ड्यूश मार्क के मुकाबले भारतीय रुपये का मूल्यह्रास होने की स्थिति में उल्लेख होने वाले किसी भी उधार को जोखिम की भण्डाई के लिए वापस और हानि देखा से 11.28 करोड़ रुपये (देयता का 6%) का विनियोग करके वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा जोखिम निधि का सुजन किया गया है। इन वर्ष के दौरान प्राप्त 28.52 मिलियन ड्यूश मार्क के उधार सहित 108.52 मिलियन ड्यूश मार्क की कुल देयताओं को आगे कवर करने के लिए सभी तीन परियोजनाओं के अन्तर्गत देयताओं को कवर करने के लिए 13.18 करोड़ रुपये की अनिवार्य राशि का विनियोग किया गया है।

15. (अ) बैंक द्वारा जारी किए गए बांडों के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के पास बैंक के खाते में भारतीय रिजर्व बैंक के पास लेखा विभाग में प्राप्त सुचनाओं के आधार पर रिकार्ड दर्ज किया गया।

15. (आ) उक्त बांडों पर देय व्याज का अन्तरण भारतीय रिजर्व बैंक में खोने गये एक विशेष खाते में, देय तिथि को किया जाता है जिसका परिचालन भारतीय रिजर्व बैंक एक एजेंट के रूप में करता है। वर्ष के अन्त में, भारतीय रिजर्व बैंक के रिकार्ड के अनुसार शेष राशि को खाते में कांद्दामद के रूप में दर्ज किया जाता है। ये शेष राशियां संचालन और समायोजन यदि कोई हो, किए जाने के अधीन है।

15. (ग) वर्ष के दौरान बैंक ने क्रमशः 13.50 करोड़ रुपये तथा 100 करोड़ रुपये के 12.30% व्याज दर वाले XVII शृंखला एस० एस० आर० बांड तथा 8.25% के II शरीज कर मुक्त बांड जारी किये। इस निवेश को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के लिये उधार के रूप में माना गया। इन बांडों का प्रबंधन पूर्ण रूप से बैंक द्वारा किया गया।

16. (अ) गैरनिधि में वार्षिक अंशदान वीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर निश्चित किया गया है। चालू वर्ष के लिए वीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार देयताएं 7.34 करोड़ रुपये (7.34 करोड़ रुपये) अनुमानित है और इसके लिए पूरा प्रावधान किया गया है।

16. (आ) बैंक ने पहली बार अग्रिम वीमांकन की देयताओं के लिए प्रावधान किया है। वीमांकिक मूल्यांकन से उत्पन्न 4.50 करोड़ रुपये की देयताओं (तीन वर्षों के लिए 13.50 करोड़ रुपये की कुल देयताओं) के लिए प्रावधान किया गया है।

17. 'व्याज-अन्य प्राप्ति' में वार्षिक वित्तियोग के अन्तर्गत अग्रिमों की चुकौती के 0.2 करोड़ रुपये (0.11 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

18. लाभ और हानि लेखा में 'ऋणों, निवेशों इत्यादि पर प्राप्त ब्याज' की राशि और भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य बैंकों के साथ पुनः ऋय करार योजना (आर० ई० पी० ओ० एस०) के अन्तर्गत लेन-देन में हुए 0.51 करोड़ रुपये (रुपये शून्य) के पूंजीगत अभिलाभ शामिल हैं जो निम्न-लिखित के निवल हैं :

(i) 14.35 करोड़ रुपये और 4.48 करोड़ रुपये की क्रमशः मूलधन और व्याज संबंधी चूक की राशि को छोड़ने (डीरिक्विजेशन) के लिए गैर निष्पादक आस्तियों से संबंधित वृद्धिशील प्रावधान ।

(ii) राष्ट्रीय बैंक अधिनियम 1981 की धारा 42 और 43 के अंतर्गत यथा अपेक्षित राष्ट्रीय ग्रामीण ऋण (वीरवाधि परिचालन) निधि में 550 करोड़ रुपये (450 करोड़ रुपये)

और राष्ट्रीय ग्रामीण ऋण (स्थिरीकरण) निधि में 100 करोड़ रुपये (1 करोड़ रुपये) का अंशदान ।

19. 0.09 करोड़ रुपये (0.12 करोड़ रुपये) का कर, सम्पत्ति कर हेतु प्रावधान को दर्शाता है ।

20. अंकों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है, कोष्ठकों में दिये गये आंकड़े पिछले वर्ष से संबंधित हैं ।

21. पिछले वर्ष के आंकड़े, आवश्यकानुसार पुनर्संमुद्रित और पुनर्व्यवस्थित किए गए हैं ।

हमीव दाऊद,

मुख्य महा प्रबंधक

वित्त एवं लेखा विभाग

प्रधान कार्यालय

मुम्बई, 15 जुलाई, 1998

# RESERVE BANK OF INDIA

## CENTRAL OFFICE

### DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS AND DEVELOPMENT

#### WORLD TRADE CENTRE, CENTRE-I

#### CUFFE PARALE, COLABA

Mumbai-400005, the 5th November, 1998

No. IBS. 1001/23-13-039/98-99—In pursuance of clause (a) of sub-section (6) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934, (2 of 1934), the Reserve Bank of India hereby directs the inclusion in the Second Schedule to the said Act of the following bank namely :

"Bank M scat International, SAOG"

KHIZER AHMED  
Executive Director

## MINISTRY OF LABOUR

### EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION (CENTRAL OFFICE)

New Delhi-110066, the 3rd November 1998

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2443.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contri-

bution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Lief Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule III annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule -I against their names.

### SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	No. & Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted extended.	Date of Expiry	Period for Exemption	C. P. F. C.S. File No.
1.	M/s. Vimal Industries, 5, G. I. D. C. Estate, High way, Mehsana—384002	GJ/11107	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt. 1, dated 6-4-93	31-07-94	01-08-94 to 31-07-97	2/2370/89/DLI
2.	M/s. Anand Regional Co-op. Oilseed Growers Union Ltd., Chikhodra Crossing, N. H. No. 8, Distt. Khada, Anand-388121. (Formerly known as Anand Taluka Co-op. Cotton Sale Ginning and Pressing Co. Ltd.	GJ/6671	—do— dated 12-4-93	28-02-91	01-03-91 to 28-02-94 01-03-94 to 28-02-97	2/4680/92/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to such of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefit admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/Legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. C. PANDEY  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2449.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule III annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. Escorts Tractors Ltd; 11, Sindhia House, Connaught Circus, New Delhi-110001.	DL/2676	2/1959/DLI/EXM/89/ Pt-I dated 19-2-92	30-11-93	1-12-93 to 30-11-96 1-12-96 to 30-11-99	2/1086/89/DLI.
2.	M/s. Bharat Aluminium Co. Ltd. Aluminium Sadan Core-6, 3rd Floor, Scope, Lodhi Road, New Delhi-3.	DL/3864	2/1959/DLI/EXM/89/ Pt-I dated 26-2-97	28-11-97	29-11-97 to 28-11-2000	2/39/76/DLI
3.	M/s. Monica Electronic Ltd. C.A. 2, B-I Ext, Mohan Co-op. Industrial Estate, New Delh.-44.	DL/5042	S/35014/79/88-SS-II dated 16-8-88	16-8-91	17-8-91 to 16-8-94 17-8-94 to 16-8-97	2/1589/87/DLI
4.	M/s. Sowar Pvt. Ltd; CSC/C/9, Vasant Kunj, New Delhi-70.	DL/7736	2/1959/DLI/Exm/89/ Pt-I/87 dt. 11-1-92	31-5-93	1-6-93 to 31-5-96 1-6-96 to 31-5-99	2/1683/87/DLI
5.	M/s. Continental Papers Ltd; Continental House 28, Nehru Plac, New Delhi-110019.	DL/8035	2/1959/DLI/Exm/89/ Pt-I dt. 18-5-90	31-7-91	1-8-91 to 31-7-94 1-8-94 to 31-7-97	2/2916/90/90/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/2458.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance, which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 23(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the operation of the said Scheme for a period 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s S.S. Mota Singh Sr. Sec. Model School, S.S. Mota Singh Marg, Block-A, Janakpuri, New Delhi-110058.	DL/5811	1-10-89 to 30-9-92 1-10-92 to 30-9-95 1-10-95 to 30-9-98	3/18/98/DLI
2.	M/s. Montari Industries Ltd, 78, Nehru Place, New Delhi-110019.	DL/8042	1-2-88 to 31-1-91 1-2-91 to 31-1-94 1-2-94 to 31-1-97 1-2-97 to 31-1-2000	3/17/98/DLI
3.	M/s. Utility Farms Pvt. Ltd., A-23/B-I, Mohan Co-Op. Industrial Estate, Mathura Road, New Delhi-110044.	DL/9409	1-2-93 to 31-1-96 1-2-96 to 31-1-99	3/19/98/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to such of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest

of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2465.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

No therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption granted/ Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. Agra Machine Tools (P) Ltd., 132 A, Industrial Estate, Nunhai, Agra-282006.	UP/6673	S-35014(43)PF-II dated 10-3-83	9-3-86	10-3-86 to 9-3-89 10-3-89 to 9-3-92 10-3-92 to 9-3-95	2/851/DLI/82
2.	M/s. Morris Bajaj Industries Ltd., A-5, Industrial Estate, Ailgarh (U.P.)	UP/2839	2/1959/DLI/Exem/ 89/Pt-II dated 29-6-94	31-3-93	1-4-93 to 31-3-96	2/5558/DLI/UP

## SCHEDULE-II

1. The employer relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme

of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/Legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. 1/2471.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which exemption was granted/extended	Date of Expiry	Period for exemption	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Ewac Alloys Ltd., Saki Vihar Road, Powai, Mumbai-400072.	MH/12309	2/1959/DLI/Exem/89 Pt. II dt. 7-4-93	30-4-94	1-5-94 to 30-4-97 1-5-97 to 30-4-2000	2/288/DLI/75
2.	M/s. Hindustan Spy. and Wvg. Mills Ltd., Gokale Rd., (South) Prabhadevi Mumbai-400025 alongwith its branches.	MH/101	Do. dt. 27-1-94	30-9-95	1-10-95 to 30-9-98	2/3911/DLI/91
3.	M/s. Boehringer Mannheim India Ltd., 54-A, Medurdas VasANJI Rd., Andheri (E) Mumbai-400093 alongwith its branches.	MH/4682, 6547	Do. dt. 10-4-92	31-5-94	1-6-94 to 31-5-97	2/3229/DLI/90

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
4.	M/s. Kirloskar Pneumatic Co. Ltd., Hadapsar Indl. Estate, Pune-411013.	MH/3443	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt. II dt. 8-11-89	25-12-91	26-12-91 to 25-12-94, 26-12-94 to 25-12-97	2/581/DLI/81
5.	M/s. The Associated Cement Co. Ltd., Cement House, 121, M.K. Rd., Mumbai-400020.	MH/4095	Do. dt. 3-9-92	24-11-94	25-11-94 to 24-11-97	2/268/DLI/82
6.	M/s. Excel Industries Ltd., S.V. Rd., Jogeshwari (W) Mumbai- 400102 alongwith its branches.	MH/1052	Do. dt. 2-7-92	28-2-95	1-3-95 to 28-2-98	2/3915/DLI/91
7.	M/s. Housing Development Finance Corpn. Ltd., 169, Backbay Reclamation, Mumbai-20.	MH/20972	Do. dt. 11-7-91	28-2-93	1-3-93 to 29-2-96, 1-3-96 to 28-2-99	2/2122/DLI/89
8.	M/s. Larson & Toubro Ltd., Powai Works, Saki Vihar Rd., Mumbai-72 alongwith its branches	MH/424	Do. dt. 26-3-93	24-9-94	25-9-94 to 24-9-97, 25-9-97 to 24-9-2000	2/289/DLI/79

### SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

Y. C. PANDEY  
Regional Provident Fund Commissioner

The 5th November 1998

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2484.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Arochem Silvassa Ltd., Amali Industrial Estate, Silvassa-396230.	GJ/8138	1-6-97 to 31-5-2000	4/99/97/DLI
2.	M/s. Shantiniketan Prathamik School Sanil Dairy Road Surat Gujrat.	GJ/12748	1-6-97 to 31-5-2000	4/100/97/DLI
3.	M/s. Surat Education Society, Sanchalit Sahabpura Primary School, 8/1760, Gopipura Main Road, Surat (Gujrat).	GJ/12839	1-6-97 to 31-5-2000	4/101/97/DLI
4.	M/s. Surat Primary School, Gopipura Sanghliawad Surat-I (Gujrat).	GJ/13329	1-6-97 to 31-5-2000	4/102/97/DLI
5.	M/s. The Bright Land English School, Sahyogi Society Sumul Dairy Road, Surat (Gujrat)	GJ/12971	1-6-97 to 31-5-2000	4/103/97/DLI
6.	M/s. Prathmic Shala Lamba Hanuman Road Varachha Road Varsha Society Surat-6 (Gujrat)	GJ/13335	1-6-97 to 31-5-2000	4/104/97/DLI
7.	M/s. Suruchi Trust 10/626, Hawalia Chakla Gopipura, Surat (Gujrat)	GJ/19096	1-6-97 to 31-5-2000	4/105/97/DLI
8.	M/s. Kallol Kunj Lamba Hanuman Road, Matawadi Varsha Society, Karamj Surat-6 (Gujrat)	GJ/19007	1-6-97 to 31-5-2000	4/106/97/DLI
9.	M/s. Gopipura, Kallol Kunj 8/1760, Gopipura Main Road, Surat-2 (Gujrat)	GJ/19003	1-6-97 to 31-5-2000	4/107/97/DLI
10.	M/s. Gotalawadi Kallol Kunj, Uday Nagar Katargam Road, Surat -4 (Gujrat)	GJ/19008	1-6-97 to 31-5-2000	4/108/97/DLI
11.	M/s. Ever-Shino, Plot No. C-1/B-922, G.I.D.C. Estate Gandlav, Valsad-396035	GJ/30314	1-6-97 to 31-5-2000	4/109/97/DLI
12.	M/s. Gotalwadi Prathamik Shala Uday Nagar Katargam Road, Surat-4 (Gujrat)	GJ/13331	1-6-97 to 31-5-2000	4/110/97/DLI
13.	M/s. Aniechem India Ltd. Block-133 Village Samalya Taluka Savli-391520 Distt. Baroda	GJ/BD/20682	1-3-96 to 28-2-99	4/98/97/DLI
14.	M/s. Industrial Oxygen Co. Ltd. P.B. No. 505, Rajkot-360002	GJ/10017-A	1-4-92 to 31-3-95 1-4-95 to 31-3-98	4/50/97/DLI
15.	M/s. Saurashtra Paper & Board Pattni Building M. G. Road, Rajkot-360001	GJ/254-A	1-8-88 to 31-7-91 1-8-91 to 31-7-94 1-8-94 to 31-7-97	4/16/97/DLI



## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to such of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the Nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. C. PANDEY

Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2504.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F. Cs. File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Snow Line Filling Station Mythe Estate Shimla-3	PN/1613-A	1-10-89 to 30-9-92 1-10-92 to 30-9-95 1-10-95 to 30-9-98	12/34/98/DLI
2.	M/s. Alfa Moulding Ind. (P) Ltd. Plot No. 12, Sector-I Paravanoo-173220 (HP)	PN/11799	1-3-96 to 28-2-99	12/27/98/DLI
3.	M/s. Krishna Leminations (P) Ltd. G.T. Road, Suranassi, Jalandhar.	PN/17118	1-3-96 to 28-2-99	12/11/98/DLI

1	2	3	4	5
4.	M/s. J.M.P. Castings Ltd., P.O. Raipur, Pathankot Road, Jalandhar.	PN/17159	1-3-96 to 28-2-99	12/12/98/DLI
5.	M/s. Guru Harkishan Public School, Golden Avenue, Amritsar	PN/17168	1-5-95 to 30-4-98	12/13/98/DLI
6.	M/s. Mela Ram Sud & Sons Mythe Estate, Kaithu-Shimla-3	PN/1613	1-10-89 to 30-9-92 1-10-92 to 30-9-95 1-10-95 to 30-9-98	12/26/98/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. C. PANDEY  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2515.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, The Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule III annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule -I against their names.

## SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	No. and Date of Notification vide which Exemption was granted/ Extended	Govt.	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.
1	2	3	4		5	6	7
1.	M/s. Indera Prastha International, 2/18, Ansari Road, New Delhi-110002.	DL/11026	2/1959 /DLI/Exem/89/Pt-I dt. 22-12-93		31-7-92	1-8-92 to 31-7-95 1-8-95 to 31-7-98	2/4268/92/DLI
2.	M/s. Delton Cables Ltd; Bharat Ram Road, 24, Darya Ganj, New Delhi-2.	DL/179	2/1959 /DLI/Exem/89/Pt-I dt. 11-4-97		3-12-97	4-12-97 to 31-12-2000	2/1849 /DLI
3.	M/s. State Trading Corporation of India Ltd, Jawahar Vyapar Bhawan, Tolstay Marg, New Delhi-110001.	DL/791	2/1959 /DLI/Exem/89/Pt-I dt. 8-4-97		31-3-96	1-4-96 to 31-3-99	3/14/96/DLI
4.	M/s. D.S.I.D.C., N-Block Bombay Life Building, Connaught Circus, New Delhi-110001.	DL/3277	S-35014/197/88-Pt. II/ (SS II) dt. 21-7-86		29-7-99	21-7-89 to 20-7-92 21-7-92 to 20-7-95 21-7-95 to 20-7-98	3/5/96/DLI
5.	M/s. Spintex Corporation 301, Harsha House, Katampura Commercial Complex New Delhi-110015.	DL/6549	2/1959 /DLI/Exem/89/Pt-I/475 dated 26-5-97		31-3-93	1-4-93 to 31-3-96 & 1-4-96 to 31-3-99	3/6/96/DLI
6.	M/s. Tata Energy Research Institute, Darbari Seth Block, Habit Place, Lodhi Road, New Delhi-110003.	DL/6987	2/1959 /DLI/Exem/89/Pt-I/475 dated 26-5-97		28-2-94	1-3-94 to 28-2-97 1-3-97 to 29-2-2000	3/7/94/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that should be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. C. PANDEY  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/2525.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous

Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE-1

S. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Taj Holiday Village, Sinquerim, Barder, Goa-403519.	Goa/10236	1-8-96 to 31-7-99	9/21/DLI/97
2.	M/s. National Coating Company, 203, Nizari Bhawan, Menozes, Braganza Road, Panaji, Goa-403001.	Goa/10418	1-3-94 to 28-2-97	9/24/DLI/97
3.	M/s. Metal Fabrik India, 2G, Second Floor, Sosa Ghar, 20, EDC Complex, Patto Panaji, Goa-403001.	Goa/10433	1-7-95 to 30-6-98	9/20/DLI/97
4.	M/s. Indi Pharma Pvt. Ltd., CMM Building, Rua-Do-Ourem, Panaji, Goa-403001.	Goa/10498	1-9-94 to 31-8-97	9/22/DLI/97
5.	M/s. Titan Time Products Ltd., L-15 Verna Electronic City, Calcutta, Goa-403722.	Goa/10514	1-10-96 to 30-9-99	9/6/DLI/97
6.	M/s. Mathias Costructions Mathias Palza, 18th June Road, Panaji, Goa-403001.	Goa/10522	1-8-96 to 31-7-99	9/23/DLI/97
7.	M/s. The Janta Commercial Co. op. Bank Ltd., Post No. 90, Akola-444001.	MH/15737	1-3-93 to 28-2-96	9/9/DLI/96

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already

adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the examination shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

S. BHATTACHARJEE  
Regional Provident Fund Commissioner

The 6th November 1998

No. 2/1959/DLI/Exempt./89/Pt. 1/2536.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

S. No.	Name & address to the Estt.	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Sadarshan Chemical Industries Ltd., 162, Wellesley Road, Pune-411001, alongwith its branches.	MH/1462	1-3-97 to 29-2-2000	9/9/DLI/98
2.	M/s. Hilmak Technical Services Pvt. Ltd., 917/27, Sai Complex, F. C. Road, Sivajinagar, Pune-411004.	MH/31486	1-4-97 to 31-3-2000	9/8/DLI/98
3.	M/s. Garware Polyester Ltd., Western Express Highway, Vile Parle (E), Mumbai-400057, alongwith its branches.	MH/19336	1-2-96 to 31-1-99	9/6/DLI/98
4.	M/s. Maharashtra State Textile Corpn., 33A, Lotus House, New Marine Lines, Mumbai-400020.	MH/15345	1-7-95 to 30-6-98	9/5/DLI/98
5.	M/s. Poona Shims Pvt. Ltd., 73/10-11, Vadgaon Maval Bombay-Pune Highway, Distt. Pune-410116.	MH/30944	1-3-97 to 29-2-2000	9/2/DLI/98
6.	M/s. The Amalner Coop. Urban Bank Ltd., Amalner-425401 Distt. Jalgaon (MH).	MH/35102	1-12-92 to 30-11-95	9/29/DLI/96
7.	M/s. Wauganga Spun Pico Ind. Pvt. Ltd., A-41, MIDC Area, Wardha-442006.	MH/22298	1-3-96 to 28-2-99	9/21/DLI/97
8.	M/s. Shalimar Ceramics, A-38, MIDC Area, Sevagram Road, Wardha -442006.	MH/60702	1-3-96 to 28-2-99	9/20/DLI/97

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefit available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased

member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exempt. 89: Pt. I/2548.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employee Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab from the operation of the said Scheme for a period of 3 years.

#### SCHEDULE I

Sl. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C's File No.
1.	M/s. Hindi Press (Gurgaon) Regd. Office, Hind Samachar Building, Civil Lines, Jalandhar.	PN/17247	1-7-96 to 30-6-99	12(23)98/DLI
2.	M/s. H. P. Sch. Castes & Sch. Tribes Development Corporation, Solani (H.P.)	PN/10524	1-4-89 to 31-3-92 1-4-92 to 31-3-95 1-4-95 to 31-3-1998	12(24)98/DLI
3.	M/s. Himurja, H. P. Govt. Development Agency, Shimla-9.	PN/11973	1-3-96 to 28-2-99	12 (25)98/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that should be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. C. PANDEY  
Regional Provident Fund Commissioner

प्रबन्धक, भारत सरकार मुख्यालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित  
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1998

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,  
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI. 198



NATIONAL BANK FOR AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

Mumbai, the 28th September, 1998

No. GSR

In Pursuance of Section 48(5) of the National Bank of Agriculture and Rural Development Act, 1981 (61 of 1981), the balance sheet for the National Bank for Agriculture and Rural Development as at 31st March 1998, the profit and loss account of the Bank for the year ended 31st March 1998 (April 1997-March 1998) and the report of the auditors for the year are published hereunder.

V. Ramakrishna Rao  
GM & Secretary

N. B. SHETTY & CO

Chartered Accountants

14/2, Western India House Sri P. M. Road, Fort Mumbai-400 001

Banara Liberty Co-op. Society Ltd. 1st Floor, Opp. Abhyudaya Co-op. Bank 98-B, Hill Road, Bandra (West) Mumbai-400050

REPORT OF THE AUDITORS

1997-98

We have audited the attached Balance Sheet of the National Bank for Agriculture and Rural Development as at 31st March, 1998 and the Profit and Loss Account annexed thereto for the year ended on that date, in which have been incorporated the returns of the Head Office, 8 Regional Offices, Department of Supervision and 2 Training Centres visited and audited by us and the unaudited returns in respect of 17 Regional Offices, 1 Sub-Office and 1 Training Centre not visited by us.

The Balance Sheet and Profit & Loss Account have been drawn up in Accordance with Schedule 'A' and Schedule 'B' of Regulation 8 of Chapter IV of the National Bank for Agriculture and Rural Development (Additional) General Regulations, 1984.

On the basis of the audit indicated above, we have to report that :—

- (a) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us and as shown by the books of the Bank :
  - (i) The Balance Sheet read with Significant Accounting policies and the Notes thereon is a full and fair Balance Sheet containing necessary particulars and it is properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the affairs of the Bank as at 31st March, 1998.
  - (ii) The Profit and Loss Account read with Significant Accounting Policies and the Notes hereon shows a true balance of the profit for the year ended 31st March, 1998.
- (b) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.
- (c) The returns received from the Head Office, Regional Offices, Sub-Office, Training Centres and Department of Supervision have been found adequate for the purpose of our audit.

For N.B. SHETTY & CO.  
Chartered Accountant:  
N.B. Shetty  
Partner

Mumbai : 16th July, 1998.

## NATIONAL BANK FOR AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT

FUNDS AND LIABILITIES	Previous year			
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1. CAPITAL				
(i) Under Section 4 of the NABARD Act, 1981		500,00,00,000		500,00,00,000
(ii) Advance towards Capital (Refer Note 1)		1000,00,00,000		500,00,00,000
			1500,00,00,000	1000,00,00,000
2. RESERVE FUND AND OTHER RESERVES :				
(i) Reserve Fund				
Balance as per last Account	2050,53,79,831			1559,42,44,573
Transferred from Profit & Loss Account	366,38,74,187			491,11,35,258
		2416,92,54,018		2050,53,79,831
(ii) Research & Development Fund :				
Balance as per last Account	34,35,51,034			36,13,52,178
Add: Transferred from Profit & Loss Account	3,00,00,000			3,00,00,000
	37,35,51,034			39,13,52,178
Less: Expenditure/Disbursements during the year	6,29,02,941			4,78,01,144
		31,06,48,093		34,35,51,034
(iii) Soft Loan Assistance Fund for Margin Money		10,00,00,000		10,00,00,000
(iv) Agriculture and Rural Enterprise Incubation Fund :			5,00,00,000	500,00,000
(v) Co-operative Development Fund :				
Balance as per last Account	47,63,36,289			48,26,06,917
Add: Transferred from Profit & Loss Account	1,00,00,000			1,00,00,000
	48,63,36,289			49,26,06,917
Less : Expenditure/Disbursements during the year	4,64,15,835			1,62,70,628
		43,99,20,454		47,63,36,289
(vi) Investment Fluctuation Reserve (Refer Note 9)				
Balance as per last Account	25,30,12,238			—
Add : Transferred from Provision for Depreciation in value of Investment in GOI Securities	78,37,16,762			25,30,12,238
	103,67,29,000			25,30,12,238
Less : Transferred to provision for Depreciation in value of Investment in GOI Securities	—			—
		103,67,29,000		25,30,12,238

## BALANCE SHEET AS AT 31 MARCH 1998

PROPERTY AND ASSETS	Previous year			
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1. CASH AND BANK BALANCES :				
(i) Cash on hand		69,097		63,248
(ii) Balances with Reserve Bank of India		65,31,03,250		56,31,08,483
(iii) Balances with Reserve Bank of India representing unclaimed interest on Bonds, per contra [Refer Notes : 15(a) & 15(b)]		2,69,24,640		1,51,56,956
(iv) Balances with other Banks in India :				
(a) On Current Account		42,00,03,170		7,90,74,558
(b) On Deposit Account		686,52,38,327		822,94,46,325
(v) Remittances in transit		1,65,93,043		31,74,70,000
			798,19,31,527	920,43,19,570
2. MONEY AT CALL AND SHORT NOTICE			102,65,00,000	
3. INVESTMENTS : (At cost)				
(Refer Notes 8 & 9)				
(i) Securities of Central Government				
Face Value Rs. 1335,47,00,000				
(Rs. 1335,47,00,000)				
Market Value Rs. 1247,18,23,529				
(Rs. 1163,57,83,238)		1241,95,00,000		1241,95,00,000
(ii) ADFC—Equity		10,56,54,000		1,04,01,500
			1252,51,54,000	1242,99,01,500

FUNDS AND LIABILITIES	Previous year		
	Rs.	Rs.	Rs.
(vii) Foreign Currency Risk Fund (Refer Notes 14a & 14b)			16,91,83,592
Balance as per last Account	28,19,34,634		—
Add: Transferred from Profit Loss Account	13,17,86,467		11,27,51,042
	41,37,21,101		28,19,34,634
Less: Transferred to IDF-Forex Risk Account	19,34,615		—
		41,17,86,486	28,19,34,634
(viii) Other Reserves:			
(a) Capital Reserve		74,80,53,208	74,80,53,208
(b) Interest Differential Fund : (Refer Note 2)			
Balance as per last Account	4,21,29,288		3,96,93,907
Additions during the year	21,60,719		27,01,281
	4,42,90,007		4,23,95,188
Less: Expenditure during the year	6,41,295		2,65,900
		4,36,48,712	4,21,29,288
		2731,00,39,971	2280,03,96,522
3. NATIONAL RURAL CREDIT (LONG TERM OPERATIONS) FUND :			
Balance as per last Account	8636,00,00,000		8185,00,00,000
Contribution from Reserve Bank of India	1,00,00,000		1,00,00,000
Bank's Contribution (Refer Note 18)	550,00,00,000		450,00,00,000
		9187,00,00,000	8636,00,00,000
4. NATIONAL RURAL CREDIT (STABILISATION) FUND:			
Balance as per last Account	842,00,00,000		840,00,00,000
Contribution from Reserve Bank of India	1,00,00,000		1,00,00,000
Bank's Contribution (Refer Note 18)	100,00,00,000		1,00,00,000
		943,00,00,000	842,00,00,000
5. RURAL INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT FUND (Refer Note 5) :			
Balance as per last Account	1392,30,50,000		350,00,00,000
Additions during the year	1007,04,00,000		1042,30,50,000
		2399,34,50,000	1392,30,50,000

PROPERTY AND ASSETS	Previous year	
	Rs.	Rs.
<b>ADVANCES :</b>		
(i) Refinance Loans : (Refer Notes 10 & 13)		
(a) Production & Marketing Credit	4982,01,95,217	4907,68,44,117
(b) Conversion Loans for Production Credit	198,37,70,798	99,84,94,300
(c) Medium Term Investment Credit—Non-Project Loans	91,35,08,727	128,06,34,747
(d) Other Investment Credit : Medium Term & Long Term Project Loans	13729,74,06,959	12359,30,74,531
Long Term Non-Project Loans	513,48,28,450	418,47,09,610
(e) Bills Rediscounted	—	24,84,79,452
	19514,97,10,151	17938,22,36,757
(ii) Loans under Rural infrastruc- ture Development Fund	2483,91,06,200	1474,73,52,000
(iii) Other Loans	7,42,77,805	5,93,74,675
(iv) Agriculture and Rural Debt Relief Scheme, 1990 (Refer Note 7)	45,44,47,256	103,59,76,532
5. LAND : (At Cost) (Refer Note 11)		
Land—Freehold, & Leasehold		
As per last Account	100,39,64,433	99,70,36,256
Additions/adjustments during the year	91,69,87,241	69,28,177
	102,09,51,674	100,39,64,433
Less : Amortisation of lease premia	2,22,67,857	1,72,36,470
	99,86,83,817	98,67,27,963
6. PREMISES : (At Cost) (Refer Note 11)		
As per last Account	91,23,96,780	87,93,17,975
Additions/adjustments during the year	2,50,54,933	3,30,78,805
	93,74,51,713	91,23,96,780
Less : Depreciation to date	30,78,81,116	27,37,65,885
	62,95,70,597	63,86,30,895

FUNDS AND LIABILITIES	Previous year			
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
<b>6. INTEREST DIFFERENTIAL FUND:</b>				
(Borex Risk) (Refer Note 14a)				
Balance as per last Account	8,09,97,715			96,97,765
Additions during the year	5,73,51,668			7,12,99,950
Add: Transferred from Foreign Currency Risk Fund	19,34,615			—
		14,02,83,998		8,09,97,715
<b>7. MEDICAL ASSISTANCE FUND :</b>				
Balance as per last Account	75,09,146			72,82,413
Members' Contribution	9,50,128			8,99,008
Interest Credited to the Fund	8,47,571			8,60,964
	93,06,845			90,42,385
Less ; Expenditure from the Fund	21,82,260			15,33,239
		71,24,585		75,09,146
<b>8. NATIONAL BANK—SWISS DEVELOPMENT CO-OPERATION PROJECT (Refer Notes 3 &amp; 4)</b>				
Grants received as per last Account	109,47,85,448			107,61,45,448
Add. : Grants received during the year	1,85,86,500			1,86,40,000
	111,33,71,948			109,47,85,448
Less : (a) Recoveries transferred to the National Bank—SDC Promotional Fund upto 1994-95	68,61,47,374			68,61,47,374
(b) Recoveries transferred to CFSF up to last year	25,36,93,900			13,10,87,000
(c) Recoveries transferred to CFSF during the year	8,18,69,900			12,26,06,900
	102,17,11,174			93,98,41,274
		9,16,60,774		15,49,44,174
<b>9. NATIONAL BANK—SDC VII FUND</b>				
Transferred from Grants received	4,48,49,069			—
Interest credited to the Fund	32,02,744			—
	4,80,51,813			—
Less : Expenditure/Disbursements during the year	1,73,57,702			—
		3,06,94,111		—

PROPERTY AND ASSETS	Previous year		
	Rs.	Rs.	Rs.
<b>7. FURNITURE &amp; FIXTURES :</b> (At Cost)			
As per last Account	16,83,07,814		12,38,66,023
Additions/adjustments during the year	1,19,11,572		4,56,77,764
	18,02,19,386		16,95,43,787
Less : Cost of assets sold/ written off	14,60,483		12,35,973
	17,87,58,903		16,83,07,814
Less : Depreciation to date	10,31,38,409		8,67,98,992
		7,56,20,494	8,15,08,822
<b>8. COMPUTER INSTALLATIONS &amp; OFFICE EQUIPMENTS : (At Cost)</b>			
As per last Account	14,25,07,173		11,79,89,168
Additions/adjustments during the year	3,30,20,328		2,55,77,351
	17,55,27,501		14,35,66,519
Less : Cost of assets sold/ written off	15,00,060		10,59,346
	17,40,27,441		14,25,07,173
Less : Depreciation to date	11,79,70,140		9,71,20,037
		5,60,57,301	4,53,87,136
<b>9. VEHICLES : (At Cost)</b>			
As per last Account	1,00,12,328		91,83,944
Additions/adjustments during the year	24,79,352		8,30,276
	1,24,91,680		1,00,14,220
Less : Cost assets sold/ written off	7,68,348		1,892
	1,17,23,332		1,00,12,328
Loss : Depreciation to date	76,05,442		68,36,857
		41,17,890	31,75,471

FUNDS AND LIABILITIES	Previous year			
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
<b>10. RURAL PROMOTION CORPUS</b>				
<b>FUND (Refer Note 3):</b>				
(a) Corpus: Transferred from National Bank—SDC Promotional Fund		61,80,70,668		61,80,70,668
(b) Interest: Balance as per last Account	17,13,64,617			12,40,97,054
Interest credited to the Fund	7,10,78,127			7,10,78,127
	24,24,42,744			19,51,75,181
Less: Expenditure/Disbursements during the year	2,94,21,579			2,38,10,564
		21,30,21,165		17,13,64,617
			83,10,91,833	78,94,35,285
<b>11. CREDIT AND FINANCIAL SERVICES FUND</b>				
(Refer Notes 3 & 4) :				
Balance as per last Account		45,27,77,867		28,32,13,717
Transferred from NB-SDC Project		8,18,69,900		12,26,06,900
Additions/Accruals credited to the Fund		3,87,86,245		5,45,81,786
		57,34,34,012		46,04,02,403
Less : Expenditure/Disbursements during the year		85,10,883		76,24,536
			56,49,23,129	45,27,77,867
<b>12. KfW FUND FOR WATERSHED DEVELOPMENT :</b>				
Balance as per last Account		1,06,93,269		1,11,20,273
Add : Grants received during the year		5,38,31,737		4,33,69,275
		6,45,25,006		5,44,89,548
Less : Expenditure/Disbursements during the year		6,45,25,006		4,37,96,279
				1,06,93,269
<b>13. GIFTS, GRANTS, DONATIONS : &amp; BENEFACCTIONS :</b>				
(i) Balance as per last Account		7,75,06,283		6,40,53,176
Add : Grants received during the year (Refer Note 6)		16,35,90,276		5,86,92,955
Less : Transferred to SDC VII Fund		4,48,49,069		—
		19,62,47,490		12,27,46,131
Less : Adjusted against expenditure incurred on projects, per contra		10,27,75,419		4,52,39,848
			9,34,72,071	7,75,06,283



				Previous year
PROPERTY AND ASSETS	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
10. OTHER ASSETS:				
(i) Deposits with Landlords		3,13,73,129		2,05,87,734
(ii) Housing Loan to Staff		26,39,70,063		19,07,32,324
(iii) Interest Free Advance from Research & Development Fund		49,91,000		49,91,000
(iv) Advances to Landlords		20,81,534		20,77,688
(v) Advance for Construction/Purchase of Staff Quarters & Office Premises		78,91,55,933		63,61,32,859
(vi) Accrued Interest (Refer Note 13)		666,59,03,427		582,31,52,890
(vii) Deposits with Government Departments & Other Institutions		62,43,143		52,13,264
(viii) Sundry Debtors		47,07,86,198		38,79,61,977
(ix) Expenditure Recoverable from Government of India/International Agencies for				
(a) Pilot Project under NABARD Credit Project	28,45,800			28,45,800
(b) Research Study for Rural Development	34,231			34,231
(c) Swiss Development Co- operation-V Project Rural Non-Farm Sector Development Activities	2,26,99,350			2,48,56,161
(d) IFAD-MRCP Credit	1,96,30,618			1,58,58,735
(e) Intensive Development of Rural Industries	4,26,200			6,00,028
(f) KFW—NABARD V Adivasi Programme	3,60,00,000			1,50,00,000
(g) CEC-BAIF Project	5,51,90,360			1,09,93,301
	13,68,26,559			7,01,88,256
Deduct : Adjusted against grant received from Govern- ment of India, during the year, per contra	10,27,75,419			4,52,39,848
		3,40,51,140		2,49,48,408

FUNDS AND LIABILITIES	Previous year			
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
(ii) Grants to RRBs/SCBs received from RBI towards GOIs share under ARDR Scheme 1990	2700,02,19,215			2704,99,13,230
Less : Grants released to RRBs/SCBs/SLDBs under ARDR Scheme, 1990 (Refer Note 7)	2700,02,19,215			2704,99,13,230
(iii) Grants to Pilot Project Scheme as per contra (Refer Note 17)				
Balance as per last Accounts	2,22,875			13,12,106
Less : Repayments received during the year transferred to Profit & Loss Account	1,98,975			10,89,231
			23,9001	2,22,875
<b>14. DEPOSITS :</b>				
(i) Central Government	16,22,81,000			19,11,31,000
(ii) State Government	9,24,52,000			11,35,52,000
(iii) Others:				
(a) Tea Companies	72,11,36,482			67,53,93,345
(b) Commercial Banks (Priority Sector Shortfall)	159,42,00,000			362,85,37,225
			257,00,69,482	460,86,13,570
<b>15. BONDS AND DEBENTURES:</b>				
Balance as per last Account	1244,65,11,000			1044,64,76,000
Issued during the year [Refer Note 15(c)]	163,50,00,000			265,96,00,000
	1408,15,11,000			1310,60,76,000
Less: Redemption during the year	38,50,00,000			65,95,65,000
			1369,65,11,000	1244,65,11,000
<b>16. BORROWINGS:</b>				
(i) From Central Government	1059,41,89,256			1170,35,62,878
(ii) From Reserve Bank of India under General Line of Credit	4970,89,75,000			4765,30,29,000
(iii) From Reserve Bank of India under ARDR Scheme, 1990 (Refer Note 7)	45,55,22,490			109,58,32,187
(iv) From International Agencies (Refer Notes 14a & 14b)	234,65,49,671			171,00,00,441
(v) T.T. Discounted	—			10,00,000
			6310,52,36,417	6216,34,24,506

Previous year

PROPERTY AND ASSETS	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
(x) Loans Disbursed under Pilot Project Scheme of NABARD Credit Project recoverable from Banks, per contra		23,900		2,22,875
(xi) Discount Receivable				3,49,315
(xii) Loans Disbursed under Pilot Project		18,486		18,486
			825,85,97,953	709,63,88,820

FUNDS AND LIABILITIES	Previous year		
	Rs.	Rs.	Rs.
<b>17. CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS:</b>			
(i) Interest Accrued on borrowings from RBI under ARDR Scheme, 1990		4,58,16,675	12,21,70,949
(ii) Interest Accrued but not due:			
(a) On Loans from Central Government	22,81,73,376		24,05,04,239
(b) On Bonds	37,67,62,515		35,53,65,499
(c) On Tea Deposits	5,39,85,175		5,09,30,654
(d) On Deposits from Central and State Governments	43,96,761		52,58,912
(e) On Borrowings from International Agencies	33,20,552		32,05,699
(f) On Deposits under RIDF	54,01,16,830		23,53,96,917
(g) On Deposits under Priority Sector Shortfall	8,69,54,997		14,19,64,785
		129,37,10,206	103,26,26,705
(iii) Sundry Creditors		43,64,74,734	25,86,42,928
(iv) Provision for Gratuity		37,38,19,538	23,03,28,634
(v) Provision for Pension [Refer Note 16(a)]		23,15,49,988	18,13,55,423
(vi) Provision for Leave Encashment [Refer Note 16(b)]		4,50,00,000	
(vii) Cheques received pending adjustment against borrowers' advance accounts on realisation		40,89,35,103	19,44,23,287
(viii) Unclaimed interest on Bonds held by RBI, per contra [Refer Notes 15(a) & 15(b)]		2,69,24,640	1,51,56,956
(ix) Unclaimed interest on Bonds		13,85,000	1,61,84,743
(x) Bonds matured but not claimed [Refer Note 15(a)]		17,77,60,375	32,72,60,375
(xi) Provisions and Contingencies (Refer Notes 9 & 13)		29,78,17,461	103,67,47,929
		333,91,93,720	341,48,97,929
		25207,37,74,991	22571,09,80,141
Commitments on account of capital contracts remaining to be executed		Rupees in crore	
		34.57	34.02
<b>CONTINGENT LIABILITIES</b>			
(i) Claims for additional payments towards construction of premises under dispute		5.89	5.30
(ii) Sales tax on Works Contracts		Indeterminate	Indeterminate
(iii) Other claims pending adjudication with Industrial Tribunal		Indeterminate	Indeterminate
Notes forming part of the Accounts—Schedule 'A'		As per our report of even date attached	
Hameed Dawood		For N.B. SHETTY & COMPANY	
Chief General Manager		Chartered Accountants	
Finance & Accounts Department		N.B. Shetty	
		Partner	
Mumbai, 15th July, 1998		Mumbai, 16th July, 1998	

Previous year

## PROPERTY AND ASSETS

Rs.

Rs.

Rs.

Rs.

25207,37,74,991

22571,09,80,141

P.V.A. Rama Rao	V. Ram Bhupal Chowdary	M.S. Verma	Jagdish Capoor	P.L. Sanjeev Reddy	C.M. Vasudev	N.K. Agrawal	E.T. Sunup
Managing Director	Director	Director	Director	Director	Director	Director	Director

Mumbai, 16th July, 1998.

	Previous year	
	Rs.	Rs.
Interest Paid :		
(a) On Loans from Central Government	80,36,39,190	84,75,46,801
(b) On Borrowings from Reserve Bank of India	206,57,22,141	226,64,28,596
(c) On Bonds	147,85,31,952	131,06,34,510
(d) On Special Loan Deposits from Central and State Governments	1,98,32,716	2,13,27,809
(e) On tea Deposits	7,25,13,333	6,63,62,257
(f) On Deposits under Priority Sector Shortfall	26,27,13,684	14,25,93,826
(g) On Gratuity & Medical Fund	2,64,03,499	1,99,76,322
(h) On ARDR Scheme, 1990	4,60,94,383	15,17,78,888
(i) On Borrowings in Term Money Market	—	21,71,875
(j) On Borrowings from International Agency	11,55,51,295	8,09,87,338
(k) On Deposits under Rural infrastructure Development Fund	198,63,43,598	80,44,90,661
(l) On Rural Promotion Corpus Fund	7,10,78,127	7,10,78,127
(m) On Credit & Financial Services Fund	3,87,86,245	2,48,48,386
(n) On SDC VII Project	32,02,744	58,42,370
(o) On CEC-BAIF Fund	33,48,405	—
	699,37,61,312	581,76,67,766
(2) Salaries and Allowances	80,81,18,433	73,95,16,638
(3) Contribution to Staff Superannuation Funds (Refer Notes 16(a) & 16(b))	29,78,57,066	17,53,70,363
(4) Travelling and Other allowances in connection with Directors' & Committee Members' Meetings	8,03,532	7,32,713
(5) Directors' & Committee Members' Fees	4,000	5,000
(6) Rent, Rates, Insurance, Lighting, etc.	14,08,69,073	12,76,66,524
(7) Travelling Expenses	7,09,02,230	7,05,31,479
(8) Printing & Stationery	1,58,97,474	1,74,07,626
(9) Postage, Telegrams & Telephones	2,47,48,922	2,09,87,729
(10) Repairs	75,71,457	63,20,320
(11) Audit Fees	82,500	82,500
(12) Legal Charges	13,21,259	17,09,323
(13) Discount, Brokerage & Commission on Bonds	1,94,80,770	2,40,25,622
(14) Miscellaneous Expenses	13,12,45,496	11,17,85,578
(15) Expenditure on Study and Training	6,08,12,975	5,62,33,166
(16) Depreciation	7,87,49,897	7,12,00,495
(17) Wealth-Tax (Refer Note 19)	8,94,299	11,94,967
Profit for the year carried down	383,56,60,654	506,38,86,300
	1248,87,81,148	1230,47,24,109

Previous year

	Rs.	Rs.	Rs.
(1) Interest received on Loans, Investments, etc. (Refer Note 13 & 18)		1232,00,49,526	1214,80,63,010
(2) Discount Received		12,12,19,173	10,43,66,781
(3) Other Receipt (Refer Note 17)		4,75,12,449	5,22,94,318

After making Statutory Contributions under Sections 42 & 43 of the NABARD Act, 1981.

1248,87,81,148	1230,47,24,109
----------------	----------------

	Previous year	
	Rs.	Rs.
TRANSFERRED TO:		
Co-operative Development Fund	1,00,00,000	1,00,00,000
Reserve Fund	366,38,74,187	491,11,35,258
Research & Development Fund	3,00,00,000	3,00,00,000
Foreign Currency Risk Fund	13,17,86,467	11,27,51,042
	383,56,60,654	506,38,86,300

Notes forming part of the Accounts—Schedule 'A'	As per our report of even date attached
Hameed Dawood	For N.B. SHETTY & COMPANY
Chief General Manager	Chartered Accountants
Finance & Accounts Department	N.B. Shetty
	Partner
Mumbai, 15th July 1998	Mumbai, 16th July 1998



Previous year

	Rs.	Rs.	Rs.
Profit for the year brought down		383,56,60,654	506,38,86,300
		383,56,60,654	506,38,86,300

P.V.A. Rama Rao  
Managing DirectorV. Ram Bhupal Chowdary  
DirectorM.S. Verma  
DirectorJagdish Kapoor  
DirectorP.L. Sanjeev Reddy  
DirectorC.M. Vasudev  
DirectorN.K. Agrawal  
DirectorE.T. Sunup  
Director

Mumbai, 16th July 1998

## SCHEDULE "A"

Accounting Policies and Notes Forming Part  
of Balance Sheet and Profit & Loss Account

## A. Significant Accounting Policies

## 1. General

1.1 The accounts have been prepared on the historical cost convention.

## 2. Income and Expenditure

2.1 Income and Expenditure are accounted on accrual basis except in respect of :—

(i) Interest on Staff Loans (Other than housing loans).

(ii) Penal interest Income on delayed receipt of repayment of principal.

(iii) Share of Interest in respect of Model Failed Wells Compensation Scheme waived by participating banks and

(iv) Cases, where income Recognition Norms, as per guidelines of RBI, are applicable.

(v) Expenses not exceeding Rs. 10,000/- at each location on a single head of expenditure which are accounted on cash basis.

2.2 Interest Receivable on Deferred Interest is accounted on the basis of due dates for instalments.

2.3 Issue Expenses relating to location of Bonds are written off in the same year.

## 3. Fixed Assets

3.1 Fixed Assets are valued at cost of acquisition/construction.

3.2 Fixed Assets as at year end are depreciated on the written down value method at rates prescribed in Schedule XIV of Companies Act, 1956 except that assets costing between Rs. 1,000/- and Rs. 5,000/- required to be 100% depreciated in the year of purchase, are also depreciated at rates applicable to the asset of higher value. Premia on leased assets are amortised over period of lease.

3.3 Land includes Freehold and Leasehold land.

3.4 Premises include lands where segregated value readily available.

## 4. Investments

4.1 All the investments in Government of India Securities have been considered by the management as Current this year. These investments are valued at Market Price/on Yield to Maturity (YTM) basis, as per Reserve Bank of India guidelines as applicable to commercial banks. Provision is made for diminution in the value of these investments, if any as at the year end.

4.2 All other investments are valued at cost. Provision is made for diminution in the value, if any, as at the year end.

4.3 Investments are disclosed at cost and provision for diminution in value of investments is included under Current Liabilities and Provisions.

#### 5. Bills Rediscounted

5.1 Value of bills rediscounted, net of full discount, is shown as "Advances". The discount for the period from the date of rediscounting to the end of the year has been accounted as "Discount Receivable".

#### 6. Payments and Provisions to Employees

6.1 The Bank has a provident fund scheme managed by Reserve Bank of India. Contributions under the scheme are provided and paid to Reserve Bank of India.

6.2 The provision for gratuity is made on the basis of liability as determined by actuarial valuation.

6.3 Gratuity payable to the employees from the above provision includes provision relating to the employees transferred from the Reserve Bank of India and for whom the contribution due from Reserve Bank of India is being accounted for as and when received.

6.4 Gratuity Fund is an integral part of the operations of the Bank and interest @ 12% p.a. is credited on the annual balance outstanding to the credit of the Fund and the Fund is disclosed under Current Liabilities and Provisions.

6.5 The Bank has a Pension Scheme for employees. Contribution to the Scheme, after determining the liability, is debited to Profit and Loss Account. The balance in the Fund is disclosed under Current Liabilities & Provisions.

6.6 The provision for Encashment of Ordinary Leave is made on the basis of liability as determined by actuarial valuation.

#### B. Notes

1. During the year a sum of Rs. 500 crore (Rs. 400 crore from RBI and Rs. 100 crore from GOI) has been received as Advance towards Capital lending amendment to NABARD Act, 1981 for encashment of capital.

2. In terms of Tawa Command Area Development Project Agreements, interest chargeable by the Government of India on loan to NABARD at 6.5% p.a. has been accounted to the extent of 4.5% by credit to the "Interest Differential Fund" to be utilised for certain specified purposes and the balance of 2% has been paid to the Government of India.

3. The amount of Rs. 8.19 crore (Rs. 12.26 crore) from "NB-SDC Project" has been transferred to Credit & Financial Services Fund as per Memorandum of Agreement dated 29th March 1996 between SDC and NABARD. Interest @ 11.5% p.a. for the year 1997-98 on unutilised balance of CFSF and RPCF corpus respectively has been credited to the funds.

4. A grant of Rs. 111.34 crore (Rs. 109.48 crore) has been received from the Swiss Development Co-operation (SDC) against the refinance provided by the Bank under SDC Projects upto 31 March 1998. An amount of Rs. 8.19 crore (Rs. 12.26 crore) being the recoveries from such refinance anticipated in the Agreement is considered as further contribution to the Credit and Financial Services Fund.

5. The total amount of Rural Infrastructure Development Funds, RDF-I, II and RIDF-III is Rs. 2000 crore, Rs. 2500 crore and Rs. 2500 crore respectively. Against this, the outstanding balances as on 31 March 1992 in these funds are Rs. 1379.95 crore (Rs. 1192.31 crore) Rs. 870.00 crore (Rs. 200 crore) and Rs. 149.40 crore (Rs. Nil) respectively.

6. Grants received during the year include Rs. 0.33 crore as interest payable on unutilised balance of grants received under CEC-BAIF Project.

7. As per the Agricultural and Rural Debt Relief Scheme, 1990, NABARD is acting as a canalising agent for disbursing the funds received from the Reserve Bank of India towards grants to the Regional Rural Banks and loans/grants to State Co-operative Banks and State Land Development Banks. The borrowings under Agricultural and Rural Debt Relief (ARDR) Scheme, 1990, are higher by Rs. 0.11 crore (Rs. 5.99 crore) as compared to the advances under the Scheme, as on 31 March 1998 as the repayments received by certain offices of the Bank by 31 March 1998 could be remitted to the Reserve Bank of India only in the month of April 1998.

8. Investments include GOI Securities of Face value of Rs. 630.87 crore (Rs. 630.87 crore) which require prior permission of Reserve Bank of India for disposal.

9. Based on valuation guidelines of RBI, the appreciation in value of GOI Securities as on 31 March 1998 is estimated at Rs. 5.23 crore. Accordingly, the provision of Rs. 78.37 crore which was available as per valuation of GOI Securities made on 31 March 1997 but not required now, has been transferred to investment Fluctuation Reserve.

10. NABARD has made payments towards subscription to debentures issued by various State Land Development Banks/Land Mortgage Banks and these are included under "Advances—Other investment Credit—Medium Term and Long Term Project Loans". The value of Allotment Letters/Debenture Scrips yet to be received as on 31 March 1998 aggregate Rs.197.37 crore (Rs. 288.72 crore), out of which the Allotment Letters/Debenture Scrips amounting to Rs. 193.77 crore have been since received.

11. "Land" and "Premises" include an aggregate amount of Rs. 54/08 crore (Rs. 56.79 crore) paid towards Office Premises and Staff Quarters at various locations in respect of which Conveyance Deeds/Other Legal Documents have not yet been executed in favour of NABARD because of certain procedural delays being faced in connection therewith.

12. The capital adequacy ratio of the bank, as on 31 March 1998 was 52.47% (40.37%) as against 8% stipulated by the RBI.

13. The interest amount has been treated as "past Due" when it remained outstanding for 30 days beyond due date. In respect of "Advances" where interest has remained "Past Due" for a period of two quarters as on 31 March 1998 the total interest accrued at Rs. 27.21 crore (Rs. 12.88 crore) has not been recognised as income. The provision for principal default by Bank of Karad Ltd. (in liquidation) for Rs. 0.31 crore made during 1993-94 is continued during 1997-98. In addition, provision in principal in default by RRBs, SCB and staff advances amounting to Rs. 29.47 crore (Rs. 24.99 crore) has been made. This has been shown under Current Liabilities and Provisions.

14. (a) In accordance with RBI guidelines the foreign currency liability of DM 108.52 million (DM 80 million) has been revalued as on 31 March 1998 with reference to the rate as indicated by RBI as on that date. Accordingly, foreign currency borrowing have increased by Rs. 1.58 crore on account of depreciation of Indian Rupee against Deutsche Mark. (In 1996-97 borrowings had decreased by Rs. 1.57 crore due to appreciation of INR against DM). This has been adjusted in "Interest Differential Fund-Forex-Risk"

(b) Foreign Currency Risk Fund has been created

in the year 1996-97 by appropriating Rs. 11.28 crore (6% of the liability) from profit & Loss Account to meet any risk arising out of depreciation of Indian Rupees against DM (in direct international borrowings). This Fund is in addition to "Interest Differential Fund-Forex Risk" created in terms of agreements with KFW, Germany. In order to further cover the total liability of DM 108.52 million including borrowing of DM 28.52 million received during the year an additional sum of Rs. 13.18 crores has been appropriated cover liability under all the three projects.

15. (a) The Accounts with Reserve Bank of India relating to Bonds raised by the Bank have been recorded based on advices received from Deposit Accounts Department of RBI.

(b) The interest payable on above Bonds is transferred to a special account with Reserve Bank of India on due date which is operated by RBI as agent. As at the year end, the balances as per RBI records are recognised in Accounts as contra items. These balances are subject to reconciliation and adjustments, if any.

(c) During the year the Bank has floated 12.30% XVII Series of SLR Bonds and II Series of 8.25% Tax Free Bonds, amounting to Rs. 63.50 crore and Rs. 100 crore respectively. These bonds were fully managed by the Bank.

16. (a) The annual contribution in respect of pension fund is determined on the basis of actuarial valuation.

The liability as per actuarial valuation for current year is estimated at Rs. 7.34 crore (Rs. 7.34 crore) and fully provided for.

(b) The bank has, for the first time, made provision for liability for leave encashment. The liability arising out of actuarial valuation amounting to Rs. 4.50 crore (total liability of Rs. 13.50 crore spread over in three years) has been provided for.

17. Income—Other Receipts include Rs. 0.02 crore (Rs. 0.11 crore) being Repayment of advances under Pilot Project Scheme.

18. "Interest Received on Loan, investments, etc," in the profit and Loss Account is inclusive of capital gain of Rs. 0.51 crore (Rs. Nil) in respect of transactions with Reserve Bank of India and other banks under the Scheme of Repurchase Agreements

(REPOS) and net of (i) incremental provision in respect of non-performing assets (NPA) towards principal and derecognition of interest in default amounting to Rs. 14.35 crore and Rs. 4.48 crore respectively and (ii) contributions of Rs. 550 crore (Rs. 450 crore to National Rural Credit Long Term Operations Fund and Rs. 100 crore (Rs. 1 crore) to National Rural Credit (Stabilisation) Fund as required under Sections 42 and 43, respectively of NABARD Act, 1981.

19. Taxation of Rs. 0.09 crore (Rs 0.12 crore) represents provision for Wealth Tax.

20. Figures are rounded off to the nearest rupee. The figures in brackets are in respect of previous year.

21. Previous year's figures have been regrouped and recast wherever necessary.

HAMEED DAWOOD

Chief General Manager

Finance and Accounts Department

Head Office

Mumbai, 15th July 1998